मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 26 सितंबर 2024

संवत 2081, आश्विन कृष्ण 9 संवत मूल्य-2 रुपये

वर्ष-8, अंक 22 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 तार्किक पाठ्यक्रम समय की मांग

पीएम मोदी का पुणे में भारी बारिश के चलते दौरा रद्द 7

रांची में आज झारखंड कृषि ऋण माफी योजना कार्यक्रम

1 लाख 76 हजार 977 किसानों को कर्ज से मिलेगी मुक्ति

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 से पहले झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार राज्य के 01 लाख 76 हजार 977 किसानों को एक बड़ी राहत देने जा रही है। झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के अंतर्गत 400.66 करोड़ की राशि की ऋण अदायगी की जाएगी। अन्नदाताओं के कर्ज को चुकाने की चिंता से मुक्ति दिलाने वाली इस योजना का आज यानी गुरुवार 26 सितंबर को धुर्वा के प्रभात तारा मैदान में कृषि एवं पशुपालन विभाग की ओर से कार्यक्रम आयोजित होने वाला है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्य के वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव, कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, श्रम नियोजन एवं उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता और खिजरी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप शामिल होंगे। इसके अलावा कृषि विभाग के सचिव अबु बक्कर सिद्दीख पी, कृषि निदेशक ताराचंद सहित अन्नदाता की भी इस कार्यक्रम में उपस्थिति रहेगी।

2020 से शुरू हुई थी कृषि ऋण माफी योजना : कृषि निदेशालय में उपनिदेशक, सामान्य प्रशासन मुकेश कुमार सिन्हा ने झारखंड कृषि ऋण माफी योजना कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि 29 दिसंबर 2020 को शुरू की गई यह एक प्रमुख योजना है, जो प्रति मानक फसल ऋणधारक को 50,000 रुपये तक की ऋण माफी सुनिश्चित करती है। झारखंड सरकार ने राज्य के अल्पावधि कृषि ऋण धारक किसानों को कर्ज के बोझ से राहत देने के उद्देश्य से इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरूआत की गई।

कृषि उपनिदेशक ने बताया कि किसानों के कर्ज माफी की इस योजना का मुख्य उद्देश्य 'फसल ऋण धारकों' की ऋण पात्रता में सुधार करना और नए फसल ऋण की प्राप्ति सुनिश्चित कराना है। इस योजना का उद्देश्य कृषक समुदाय के प्रवास को रोकना और कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करना भी है। उन्होंने बताया कि कृषि ऋण माफी योजना का लक्ष्य राज्य के 09 लाख से अधिक अन्नदाता किसानों के चहरे पर लिए गए कर्ज को चुकाने की चिंता से मुक्ति दिलाना है।

31 मार्च 2020 तक के मानक फसल ऋणधारक किसान भी इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। इस योजना को वेब पोर्टल पर संपर्क रहित और कागज रहित आवेदन प्राप्त करने के माध्यम से ऑनलाइन लागू किया गया है। आवेदकों को ई-केवाईसी के लिए नजदीकी सीएससी पर जाकर आवेदन करना होगा। 50 हजार रुपये तक के बकाया फसल ऋण का पुनर्भुगतान प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से किया जाता है। इस योजना को लेकर मिली किसी भी शिकायत का निवारण ऑनलाइन किया जाता है।

अब तक 4,78,922 किसानों को मिली राहत : कृषि उपनिदेशक ने बताया कि कृषि ऋण माफी योजना के तहत अभी तक 4,78,922 किसानों का 1922.04 करोड़ रुपये का ऋण माफ किया जा चुका हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में 02 लाख रुपये तक बकाया राशि वाले लाभार्थी भी ऋण माफी के पात्र हैं। उन्होंने बताया कि आज के कार्यक्रम में चिन्हित 01 लाख 76 हजार 977 लाभार्थी किसानों के द्वारा लिए गए कर्ज की लगभग 400.66 करोड़ के बैंक ऋण की अदायगी सरकार करेगी। विभाग से मिली जानकारी अनुसार कृषि ऋण माफी कार्यक्रम दोपहर बाद शुरू होगा, जिसमें बड़ी संख्या में लाभुक किसान भी उपस्थित रहेंगे।

बोकारो में रेल दुर्घटना, दो हिस्सों में बंटी ट्रेन

हादसे में मालगाड़ी के 2 डिब्बे पलटे, वंदे भारत सहित कई का परिचालन प्रभावित

मेट्रो रेज

बोकारो: धनबाद रेल मंडल के तुपकाडीह में एक ट्रेन हादसे का शिकार हुई है। कहा जा रहा है कि स्टील प्लांट से इस्पात लेकर मालगाड़ी बहादुरगढ़ जा रही इस दौरान तुपकाडीह रेलवे स्टेशन के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के बाद वंदे भारत समेत कई ट्रेनें अलग-अलग स्टेशन पर रुकी रहीं।

रेल दुर्घटना तुपकाडीह रेलवे स्टेशन के उतरी केबिन के पास हुई है। इस हादसे में मालगाड़ी के दो डिब्बे पलट गए और शेष वैगन का संपर्क इंजन से कट गया। इस दुर्घटना के कारण बोकारो रेल खंड पर अप डाउन दोनों ही लाइन बाधित हो गई थी। इस हादसे के कारण करीब पांच घंटे तक ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ, रात्रि लगभग 1 बजे से परिचालन सामान्य हो गया। धनबाद रेल मंडल के बोकारो गोमो रेल खंड इस हादसे के कारण प्रभावित हुआ और वाराणसी वंदे भारत सहित कई गाड़ियां रांची से बोकारो वह बोकारो से धनबाद के बीच अलग-अलग स्टेशनों पर रुकी रहीं। हादसे के कारण कई ट्रेनों का रूट भी डायवर्ट किया गया। रेलवे अधिकारी दुर्घटना की जांच करने में जुटे हुए हैं।

क्षेत्रीय रेलवे प्रबंधक विनीत कुमार ने बताया कि बोकारो से बहादुरगढ़ जाने वाली मालगाड़ी रात्रि 20:32 पर तुपकाडीह से रवाना हुई और किलोमीटर संख्या 412/30 के पास दो हिस्सों में बंट गई और बैगन संख्या 15852 और 10948 पलट गए। जिससे डाउन लाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। उन्होंने बताया कि परिचालन सामान्य हो गया है। 1 बजे रात्रि में हटिया पटना एक्सप्रेस पहली ट्रेन थी जिसे पटना के लिए रवाना किया गया था।

सीएम हेमंत सोरेन ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को लिखा पत्र, आदिवासियों के बारे में की ये मांग

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने 25 सितंबर को असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने झारखंड से असम में चाय बागान जनजातीय समुदाय एसटी का दर्जा देने की मांग की है।

हेमंत सोरेन ने अपने पत्र में लिखा है कि असम के चाय बागान समुदाय में शामिल अधिकांश जनजातियों को झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में एसटी का दर्जा प्राप्त है। वे असम में भी एसटी का दर्जा प्राप्त करने का अर्हता रखते हैं। लेकिन वहां उन्हें ओबीसी का दर्जा दिया गया है। जिसके कारण इन्हें केंद्र सरकार के कई योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है और उनका विकास नहीं हो पाता। हेमंत सोरेन ने अपने पत्र में लिखा ' मैं असम के चाय बागान समुदाय की जनजातियों की चुनौतियों से अच्छी तरह से वाकिफ हूं, उनमें जो जनजातियां हैं उनमें से अधिकतर झारखंड की मूल जनजातियां हैं, जिनमें संथाली, कुरुख, मुंडा, उरांव जैसी जनजातियां शामिल हैं। इनके पूर्वज औपनिवेशिक काल में चाय बागान में काम करने के लिए पलायन कर गए थे।' झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने असम के मुख्यमंत्री को ये भी लिखा कि 'मैं महसूस करता हूं कि असम में रहने वाले वे जनजातियां असम में भी जनजाति का दर्जा पाने के सभी मानदंडों को पूरा करते हैं। जिनमें उनकी सांस्कृतिक पहचान, पारंपरिक जीवन शैली और शोषण के प्रति संवेदनशीलता शामिल है।

हेमंत सोरेन ने अपनी चिट्ठी में लिखा कि 'अधिकांश जनजातियों को झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में एसटी का दर्जा प्राप्त है। लेकिन असम में उन्हें ओबीसी का दर्जा दिया गया है 'हेमंत ने आगे लिखा कि असम की अर्थव्यवस्था और संस्कृति में उनके महत्वपूर्ण योगदान के बाद भी ये समुदाय हाशिए पर हैं। इन लोगों को अनुसूचित जनजातियों को मिलने वाले लाभ और सुरक्षा से वंचित रखा जा रहा है।

दिल्ली में काम रोकने के लिए हुई मेरी गिरफ्तारी : केजरीवाल

नई दिल्ली । दिल्ली में कामों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक्शन मोड में हैं। केजरीवाल ने मुख्यमंत्री आतिशी के साथ सड़कों का जायजा लिया। वे दिल्ली में युद्ध स्तर पर काम करने की तैयारी में हैं। दिल्ली की सीएम आतिशी, आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया सड़क की स्थिति का निरीक्षण करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर पहुंचे।

इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अभी कुछ दिनों पहले मैं भाजपा के एक नेता से मिला और मैंने उनसे पूछा कि मुझे गिरफ्तार करके क्या फायदा हुआ? उन्होंने बताया कि इससे दिल्ली सरकार डीरेल तो हो ही गई। केंद्र सरकार द्वारा मुझे गिरफ्तार करने का मकसद ही दिल्ली की जनता के कामों को रोकना था लेकिन दिल्लीवालों को मैं कहना चाहता हूं कि अब मैं बाहर आ गया हूं और जनता के सभी रुके हुए काम तेजी से पूरे कराए जाएंगे।

केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने मुझे जेल भेजकर दिल्ली के काम रोक दिए थे। सड़कें भी खराब हो गईं। उनका यही मकसद था। आज मैंने मुख्यमंत्री आतिशी के साथ दिल्ली यूनिवर्सिटी में एक सड़क का निरीक्षण किया। इस सड़क को भी जल्दी ठीक किया जाएगा, दिल्ली की बाकी सड़कों को भी जल्द ठीक कराया जाएगा। अब मैं वापस आ गया हूं, दिल्ली के लोग चिंता ना करें। दिल्ली के सभी रूके हुए काम कराएंगे।

मुंबई में भारी बारिश: सभी स्कूल और कॉलेजों की छुट्टी, उत्तरप्रदेश-बिहार में भी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली : भारतीय मौसम विभाग द्वारा मुंबई में भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी करने के बाद, बुधवार (25 सितंबर) को बीएमसी ने घोषणा की कि गुरुवार (26 सितंबर 2024) को शहर के सभी स्कूल और कॉलेज बंद रहेंगे। इटउ के अनुसार, ₹आईएमडी ने गुरुवार सुबह 8:30 बजे तक मुंबई के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। इसे ध्यान में रखते हुए, सभी स्कूल और कॉलेजों में छात्रों की सुरक्षा के मद्देनजर छुट्टी की घोषणा की गई है। बीएमसी प्रशासन मुम्बईवासियों से अनुरोध करता है कि वे केवल आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें।₹

बुधवार को मुंबई में कुछ समय के विराम के बाद भारी बारिश शुरू हुई, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। इस भारी बारिश ने आवश्यक सेवाओं को बाधित कर दिया और केंद्रीय एवं हार्बर लाइनों पर ट्रेन सेवाओं में भी असर देखा गया, जिससे ऑफिस जाने वाले लोगों को काफी कठिनाई हुई। शहर के विभिन्न हिस्सों में जलभराव और भारी बारिश के कारण लंबी ट्रैफिक जाम की भी खबरें आईं, जिससे यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई।

मुंबई में भारी बारिश की चेतावनी असर यहां से उड़ान भरने वाली फ्लाइटों पर भी पड़ा है। कई फ्लाइटों की रूट को डाइवर्ट कर दिया गया है। विस्तारा, स्पाइस जेट और अन्य एयरलाइंस की उड़ाने रद्द की जा रही है या डायवर्ट हो रही हैं। एक्स पर इन एयरलाइंस ने सूचना जारी कर दी है। लोकल ट्रेन और लंबी दूरी की ट्रेनों में भी बारिश और भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए काफी भीड़ हो गई। घाटकोपर स्टेशन पर भीड़ बेकाबू होती दिखी। एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और बस स्टॉपेज पर लोगों की भीड़ भरी हुई है।

अगले 24 घंटे में कहां-कहां होगी बारिश : अगले 24 घंटे को दौरान मध्य महाराष्ट्र, कोंकण और गोवा, दक्षिण गुजरात और गंगीय पश्चिम बंगाल में मध्यम से भारी बारिश संभव है। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। पूर्वोत्तर भारत, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, तटीय कर्नाटक, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, पंजाब के कुछ हिस्सों, उत्तरी हरियाणा, रायलसीमा और तमिलनाडु में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। जम्मू कश्मीर, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, लद्दाख, दिल्ली, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी गुजरात, केरल और लक्षद्वीप में हल्की बारिश संभव है।

शिवसेना सांसद संजय राउत को 15 दिन की जेल, कोर्ट ने 25 हजार का जुर्माना भी लगाया

मुंबई : मुंबई की एक मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत ने गुरुवार 26 सितंबर को इखढ के पूर्व सांसद किरीट सोमैया की पत्नी, डॉ। मेधा सोमैया की ओर से दायर मानहानि मामले में शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई। कोर्ट ने राउत को 15 दिन की साधारण कारावास की सजा और 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया, जो मुआवजे के रूप में वसूला जाएगा। राउत को भारतीय दंड संहिता की धारा 500 के तहत मानहानि का दोषी पाया गया है। मुंबई के रुइया कॉलेज में ऑर्गेनिक केमिस्ट्री की प्रोफेसर, मेधा सोमैया ने राउत के खिलाफ धारा 499 (आरोप लगाना या प्रकाशित करना) और 500 (मानहानि) के तहत कार्रवाई की मांग की थी। राउत ने उन पर और उनके एनजीओ, युवा प्रतिष्ठान पर 100 करोड़ रुपये के शौचालय घोटाले का आरोप लगाया था।

डॉ। सोमैया ने अपनी याचिका में कहा था कि अधिवक्ता विवेकानंद गुप्ता के माध्यम से दायर शिकायत में उल्लेख किया गया है कि 15 अप्रैल, 2022 के बाद संजय राउत ने उनके खिलाफ मीडिया में दुर्भावनापूर्ण और अनुचित बयान दिए। ये बयान इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के जरिए बड़े पैमाने पर आम जनता के लिए प्रकाशित और प्रसारित किए गए। शिकायत में बताया गया है कि ये दुर्भावनापूर्ण बयान उसी दिन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी वायरल हो गए, जिससे बहुत से लोगों ने इसे पढ़ा और सुना।

गौरतलब है कि संजय राउत ने किरीट सोमैया और उनकी पत्नी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि किरीट सोमैया ने अपनी पत्नी की मदद से 100 करोड़ रुपये का शौचालय घोटाला किया।

भारत के किसी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कहा जा सकता : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली: उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि भारत के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कहा जा सकता, क्योंकि यह देश की क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय की संविधान पीठ ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी श्रीशानंद द्वारा एक मामले की सुनवाई के दौरान बेंगलुरु के एक हिस्से को पाकिस्तान कहने के मामले में स्वतः संज्ञान सुनवाई करते हुए सख्त लहजे में यह टिप्पणी की।

संविधान पीठ ने हालांकि न्यायमूर्ति श्रीशानंद के इस मामले में खुली में माफी मांगने के मद्देनजर उनके खिलाफ शुरू की गई स्वतः संज्ञान कार्यवाही बंद कर दी। संविधान पीठ ने कहा कि न्यायमूर्ति श्रीशानंद ने अपने दो अलग-अलग कार्यवाहियों के दौरान बेंगलुरु के एक हिस्से को पाकिस्तान बताने और एक महिला अधिवक्ता के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणी करने के लिए माफी मांग ली है। इसी के मद्देनजर उनके खिलाफ स्वतः संज्ञान कार्रवाई बंद करने का यह फैसला किया गया। शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए अधिवक्ताओं, न्यायाधीशों और वादियों से कहा कि वे अदालत में पेश होने के दौरान किसी भी परिस्थिति में ऐसे आचरण करने में शामिल न हों। उन्हें यह समझना चाहिए कि कार्यवाही का सीधा प्रसारण अदालत के अलावा आम दर्शकों तक भी पहुंच है।

पीठ ने कहा, न्यायाधीशों के रूप में हमारे जीवन के अनुभवों पर आधारित प्रवृत्तियाँ होती हैं। साथ ही, एक न्यायाधीश को अपनी स्वयं की प्रवृत्तियों के बारे में भी जागरूक होना चाहिए। ऐसी जागरूकता के आधार पर ही हम निष्पक्षता प्रदान करने के अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान हो सकते हैं। आकस्मिक अवलोकन पक्षपात की एक हद तक संकेत दे सकते हैं, खासकर जब वे किसी लिंग या समुदाय के विरुद्ध निर्देशित हों। न्यायमूर्ति श्रीशानंद ने कथित तौर पर बेंगलुरु में एक मुस्लिम बहुल इलाके को पाकिस्तान कहा था। न्यायाधीश श्रीशानंद को एक अलग मामले में एक महिला अधिवक्ता के खिलाफ लैंगिक असंवेदनशील टिप्पणी करते हुए भी एक वीडियो में देखा गया। सोशल मीडिया एक्स पर कई लोगों ने अपने अकाउंट अपने पोस्ट में उनकी टिप्पणियों पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद शीर्ष अदालत ने 20 सितंबर को इस मामले में स्वतः संज्ञान कार्यवाही शुरू की और संबंधित उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल से रिपोर्ट मांगी थी। न्यायाधीश श्रीशानंद द्वारा की गई टिप्पणियों पर रजिस्ट्रार जनरल की 23 सितंबर की रिपोर्ट को देखते हुए शीर्ष अदालत की संविधान पीठ ने कहा कि रिपोर्ट पढ? से स्पष्ट रूप से संकेत मिलता है कि की गई टिप्पणियाँ जरूरी नहीं थीं और उन्हें टाला जाना चाहिए था।

संविधान पीठ ने कहा, न्यायाधीश (श्रीशानंद) द्वारा खुली अपनी अदालत की कार्यवाही में मांगी गई माफी को ध्यान में रखते हुए हम इसे न्याय और संस्था की गरिमा के हित में मानते हैं कि कार्यवाही को आगे जारी न रखा जाए। न्यायालय ने हालांकि कहा कि सोशल मीडिया की व्यापकता और पहुंच में कार्यवाही की व्यापक रिपोर्टिंग शामिल है। अधिकांश उच्च न्यायालयों ने सीधा प्रसारण या वीडियो कांफ्रेंसिंग को अपनाया है। कोविड 19 के दौरान न्याय तक पहुँच प्रदान करने के लिए सीधा प्रसारण और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की आवश्यकता सामने आई थी। पीठ ने कहा, वकीलों, न्यायाधीशों और न्यायालय के सदस्यों को समझना चाहिए कि सीधा प्रसारण की दर्शकों तक महत्वपूर्ण पहुंच है, जो उन पर जिम्मेदारी डालती है।

झारखंडवासियों को यहां की खनिज संपदाओं का नहीं मिला लाभ : मुख्यमंत्री

पिछले 4 वर्षों में सभी को रोटी, कपड़ा और मकान उपलब्ध कराने पर हुआ काम

साहिबगंज : मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए साहेबगंज जिला के बरहेट प्रखंड स्थित भोगनाडीह में आयोजित ₹आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार₹ कार्यक्रम को सम्बोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मनुष्य जीवन में रोटी, कपड़ा और मकान की व्यवस्था आवश्यक है। हमारी सरकार राज्य में सभी को रोटी, कपड़ा और मकान उपलब्ध करा रही है। पिछले 4 वर्षों में हमारी सरकार ने जन-जन और घर-घर तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का कार्य कर दिखाया है। पूर्व की सरकार ने 11 लाख हरा राशन कार्ड डिलीट करने का काम किया था परंतु हमारी सरकार ने 20 लाख अतिरिक्त राशन कार्ड निर्गत कर लोगों के घरों तक राशन पहुंचाने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में सर्वजन पेंशन योजना लागू करने वाला झारखंड पहला राज्य है। वर्तमान समय में सामाजिक सुरक्षा के तहत एक भी पात्र व्यक्ति पेंशन योजना से वंचित नही है। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि ₹आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार₹ कार्यक्रम की शुरूआत वर्ष 2021 में उलिहातू की धरती से हुई थी और आज इस अभियान का चौथा चरण भोगनाडीह की भूमि से संपन्न हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज एक नई सुविधा के अंतर्गत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हमसभी लोग जुड़ रहे हैं। भारी बारिश और खराब मौसम के कारण कार्यक्रम स्थल पर नहीं पहुंच पाने का मुझे काफी अफसोस है, परंतु इस आधुनिक युग में तकनीक के माध्यम से हम आपसभी के बीच आज रू-ब-रू हो रहे हैं और अपनी बातों को आप तक पहुंचा रहे हैं।

झारखंड वीरों की भूमि, आपसी प्रेम, सौहार्द एवं सद्भाव जीवन का है आधार : मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि आप सभी लोग आने वाले दिनों में भी मजबूती के साथ राज्य सरकार के साथ खड़े रहें। हमारी सरकार धर्म, समुदाय, जाति के आधार पर कार्य नहीं करती है। सभी धर्म, वर्ग-समुदाय तथा सभी जातियों का सम्मान करते हुए उनके हितों की रक्षा करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने सदैव यह प्रयास किया है कि यहां के आदिवासी-मूलवासियों को सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से सशक्त किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने झारखंड विधानसभा से सरना धर्मकोड का विधायक पारित कर केंद्र को भेजने का काम किया परंतु दुर्भाग्य है कि केंद्र सरकार ने हमारे इस महत्वपूर्ण विधेयक पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ और तत्वों द्वारा राज्य के भीतर धार्मिक मुद्दों पर अफवाहें फैलाकर हमारी एकजुटता को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं इन तत्वों से हम सभी को बचने की आवश्यकता है। झारखंड वीरों की भूमि रही है। किसी के बहकावे में आकर हम लोग कोई गलत कदम नहीं उठाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में कुछ तत्वों द्वारा राज्य के भीतर डेमोग्राफी चेंज होने की बात कही जा रही है लेकिन सच्चाई यह है कि हमारे राज्य के किसी भी क्षेत्र में डेमोग्राफी चेंज की कोई तस्वीर नही दिखी है और ना ही डेमोग्राफी चेंज से संबंधित कोई तथ्यात्मक आंकड़ा उपलब्ध है। झारखंड के सभी लोग आपसी प्रेम, सौहार्द और सद्भाव के साथ रहते है और अपने हक-अधिकार की लड़ाई लड़ते हैं।

महिला सशक्तिकरण रही प्राथमिकता : मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार ने यह संकल्प लिया है कि राज्य की आधी आबादी विभिन्न योजनाओं से जोड़कर सशक्त की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी कड़ी में झारखंड ₹मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना₹ की शुरूआत की गई है। इस योजना के तहत राज्य की लगभग 50 लाख बहन-माताओं को जोड़ा गया है जिन्हें साल में 12 हजार सम्मान राशि दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ₹मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना₹ की दूसरी किस्त भी लाभुक महिलाओं के खातों पर डाला जा चुका है। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि पिछले 20 वर्षों में महिला स्वयं सहायता समूह को मात्र 600 करोड़ रुपए का फंड दिया गया था, हमारी सरकार ने पिछले 4 वर्षों में 10 हजार करोड़ रुपए की राशि का फंड महिला स्वयं सहायता समूहों के विकास हेतु उपलब्ध कराए गए हैं।

नियुक्तियों का सिलसिला निरंतर जारी : मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि रोजगार और नौकरी उपलब्ध कराने की दिशा में भी हमारी सरकार निरंतर प्रयासरत रही है। राज्य सरकार ने अपने प्रयास से डेढ़ से दो लाख लोगों को निजी क्षेत्र में नियुक्त करने का काम किया है।वहीं हजारों की संख्या में अलग-अलग चरणों में सरकारी नियुक्तियां भी की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 40 से 50 हजार नियुक्तियों का सिलसिला जारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत युवा वर्ग को ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे वह विभिन्न स्वरोजगार के साधन से जुड़ रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ₹आपकी योजना-आपकी-सरकार आपके द्वार₹ अभियान चलाकर गांव-गांव, टोला-टोला और घर-घर तक राज्य सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भी हमारे राज्य में ऐसे गांव हैं जहां के लोग प्रखंड कार्यालय तथा बी.डी.ओ.- सी.ओ. रैंक के पदाधिकारी को भी ठीक से नहीं जानते हैं। वैसे ग्रामीण क्षेत्रों में भी राज्य सरकार के निर्देश पर पदाधिकारी विभिन्न माध्यमों से पहुंचकर लोगों तक सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को पहुंचा रहे हैं।

झारखंडवासियों को यहां की खनिज संपदाओं का नहीं मिला लाभ मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार ने आम लोगों के साथ-साथ सरकार के कर्मियों के समस्याओं को सुलझाने का काम किया है। विभिन्न विभागों में वर्षों से चली आ रही लंबित मांगों को तथा सरकारी कर्मियों के हक-अधिकारों को राज्य सरकार ने सहानुभूति पूर्वक देने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतिहास गवाह है कि शुरूआती दिनों से ही झारखंड की खनिज संपदाओं पर दूसरे प्रदेश के व्यापारी वर्गों की नजर रही है। यहां की खनिज संपदाओं का पूरा लाभ राज्य के आदिवासी-मूलवासी सहित किसी भी वर्ग-समुदाय या विस्थापितों को आज तक नहीं मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के ऊपर राज्य सरकार का 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपए का बकाया है। यह बकाया राशि केंद्र सरकार अगर राज्य सरकार को उपलब्ध करा दे तो गए अन्य विकासात्मक योजनाओं को राज्य के भीतर लागू किया जा सकेगा। राज्य सरकार द्वारा अपने बलबूते गए भावी योजनाओं को संचालित किया जा रहा है जिसका लाभ राज्यवासियों को पूर्ण रूप से मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने बिजली उपभोक्ताओं के पुराने बिजली बिल को माफ करने के साथ-साथ 200 यूनिट बिजली निःशुल्क उपलब्ध कर रही है। यहां के किस वर्गों का 2 लाख रुपए तक का कृषि ऋण भी माफ कर दिया गया है। खेती कृषि को बढ़ावा देने के लिए कई वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर बोल दिया गया है।

कोरोना संक्रमण काल में जीवन और जीविका दोनों को बचाया : मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि वर्ष 2019 में आप लोगों ने राज्य में झारखंडियों की हितों की रक्षा करने वालों की सरकार बनाई। आप सब ने देखा कि जैसे ही वर्तमान राज्य सरकार का गठन हुआ देश और दुनिया में वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण ने दस्तक दी। इस कोरोना महामारी का आलम यह रहा कि रोजगार, व्यवसाय के सभी साधन बिल्कुल बंद हो गए। सभी लोग घरों पर बंद रहने को मजबूर हो गए, ऐसी स्थिति में भी हमारी सरकार ने राज्य में किसी भी वर्ग समुदाय के एक भी व्यक्ति को भूखा सोने नहीं दिया। राज्य सरकार ने एक बेहतर मैनेजमेंट दिखाते हुए बिना कोई अफरातफरी के जीवन और जीविका दोनों की रक्षा की। किसी एक भी व्यक्ति की मृत्यु भूख से नहीं हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी आपदा झारखंड जैसे गरीब राज्य के लिए अभिशाप से कम नही होती है। मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन माध्यम से साहेबगंज जिले को लगभग 31184.923 लाख रूपए की विभिन्न योजनाओं की दी सौगात। जिसमें कुल 264 विकास योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। दोनों जिलों के 332192 लाभुकों के बीच लगभग 14441.449 लाख रुपए की परिसम्पत्ति का हुआ वितरण। वहीं 5496.837 लाख रूपए की 62 योजनाओं का उद्घाटन एवं 25688.086 लाख रूपए की 202 योजनाओं की आधारशिला रखी गई।इस अवसर पर मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मंत्री श्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री डॉ. इरफान अंसारी एवं कार्यक्रम स्थल भोगनाडीह, बरहेट से सांसद श्री विजय हांसदा, विधायक श्री स्टीफन मरांडी, विधायक श्री दिनेश विलियम मरांडी, पूर्व मंत्री श्री हेमलाल मुर्मू, संथाल परगना प्रमंडल के आयुक्त श्री लालचंद डाडेल, जिले के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

बालू उठाव को लेकर ग्रामीणों ने की बैठक, समिति गठित

चतराः पत्थलगड़ा प्रखंड क्षेत्र के ग्राम सिंघानी के पंचमुखी हनुमत चौक सिंघानी में मंगलवार की देर शाम ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता चेतलाल रजक ने की, जबकि संचालन प्रकाश दांगी ने किया। बैठक में सिंघानी गांव के सैकड़ों ग्रामीण शामिल हुए। बैठक में सिंघानी गांव में पड़ने वाले छठ घाट नदी सिंघानी, परसोनिया नदी सिंघानी, भुराही नदी सिंघानी, पचबहिनी नदी सिंघानी तथा सिंघानी गांव में पड़ने वाले अन्य नदी से अवैध बालू उठाव नहीं करने देने का निर्णय लिया गया। वहीं प्रस्ताव में कहा गया कि किसी भी सूरत में बालू का उठाव बालू माफियाओं द्वारा नहीं करने दिया जाएगा। सभी ने कहा सिंघानी नदी से बालू उठाव होती है तो सिर्फ जरूरत के अनुसार सिंघानी गांव के ग्रामीणों को ही मिलेगा। साथ ही साथ छठ घाट में भूमि अतिक्रमण, पांडेयतर गड़ौत अतिक्रमण आदि बिंदुओं पर गहनतापूर्वक चर्चा की गई। इस दौरान सिंघानी नदी से बालू उठाव को पूर्ण रूप से रोकने के लिए गांव के ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से एक समिति गठित किया। समिति में सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए प्रकाश दांगी, उपाध्यक्ष इसराइल मियां, सचिव सुखसागर राणा, उपसचिव संजय दांगी सहित लगभग पचास सदस्यों की समिति बनाई गई। वहीं सभी ट्रैक्टर मालिकों को इसकी सूचना कर हिदायत दिया गया कि अगर गांव से बाहर बालू ले जाते पकड़े जाते हैं तो पुलिस प्रशासन को बुलाकर उस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान सभी ग्रामीणों नें उपायुक्त चतरा, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया, पत्थलगड़ा प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी व थाना प्रभारी को लिखित रूप से जल्द ही आवेदन देने को लेकर विचार विमर्श किया गया है। वहीं वनाधिकार और वनों की सुरक्षा पर भी विशेष बल दिया गया। ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि वनों की हरियाली बनी रहे, इसके लिए प्रत्येक ग्रामीण अपने स्तर से खाली पड़े भू भाग पर दो-दो पेड़ लगाएंगे। मौके पर सेवानिवृत शिक्षक नारायण राम दांगी, अनंत कुमार कुशवाहा, नंदकिशोर दांगी, जागेश्वर राम दांगी, किशोरी राम, वासुदेव दांगी, हरदियाल रजक, कामेश्वर दांगी, डोमन राणा, सहदेव दांगी, गिरजाशंकर रजक, सुरेश दांगी, पिंटू दांगी, चंद्रशेखर राणा, बजरंगी राम, दीनदयाल राम, विनय सिन्हा, कृष्ण सिन्हा समेत सैकड़ो ग्रामीण मौजूद थे।

वनांचल डिग्री कॉलेज टंडवा में नियुक्ति संदेह के घेरे में

चतराः जालसाजी के मामले को लेकर टंडवा वनांचल डिग्री कॉलेज का मामला पुनः सुर्खियों में छाया हुआ है। अधिकारियों को गुमराह कर यहां अजब-गजब खेल रचकर कर्मियों की नियुक्ति के लिए इंटरव्यू लिया जाना पूरी तरह से संदेहों के घेरे में है। सूत्रों की मानें तो महाविद्यालय में सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप ना तो पद का सृजन है और ना ही कोई रोस्टर का पालन हो रहा है। वर्ष 2007 से पद सृजन की संचिका राज्य सरकार के पास विचाराधीन होने के बावजूद उक्त हरकतों को अंजाम दिया जा रहा है। बताया जाता है कि टंडवा वनांचल डिग्री कॉलेज में कार्यरत शिक्षक/शिक्षकेत्तर कर्मियों का मानदेय पिछले 44 माह से बकाया है। फिर भी कुछ नामचीन अपनी मनमानी से वैकेंसी निकाल कर इंटरव्यू लेकर आवेदकों को गुमराह कर रहे हैं। ऐसे में लोगों को यह समझ नहीं आ रहा है कि उक्त लोगों का मानदेय वे कहां से व कैसे भुगतान करेंगे॥? पिछले हीं दिनों व्याप्त अनियमितताओं को लेकर राज्यपाल, कुलपति, उच्च तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव व उपायुक्त चतरा को साक्ष्य सहित प्रमाण भेजकर समुचित कार्रवाई की मांग की गई है, जो विचाराधीन है। मामले में कॉलेज के यूआर कृष्ण गुप्ता ने बताया कि पद का सृजन है, रोस्टर का पालन किया गया है। नियुक्ति किए जा रहे कर्मियों को कैसे मानदेय मिलेगी, इस पर कॉलेज प्रबंधन देखेगी। कॉलेज की स्थिति यह है कि कई महीनों से मानदेय नहीं मिला है। मामले में दावा किया जाता है कि पारदर्शी तरीके से सारे तथ्यों की जांच होने पर जहां धांधली से पर्दा उठ सकता है।

मलेशिया में फंसे झारखंड के 70 मजदूर, वतन वापसी की लगायी गुहार

रांची : झारखंड के प्रवासी मजदूरों का विदेश में फंसने का सिलसिला खत्म नहीं हो रहा है. एक बार फिर मलेशिया में झारखंड के 70 मजदूर के फंसे होने का मामला सामने आया है. मलेशिया में फंसे मजदूर झारखंड के गिरिडीह, हजारीबाग, बोकारो और धनबाद जिले के रहने वाले हैं. मजदूरों ने सोशल मीडिया के माध्यम से वीडियो शेयर कर हेमंत सोरेन सरकार से वतन वापसी की गुहार लगायी है. मजदूरों ने वीडियो में बताया है कि पिछले चार माह से कंपनी ने उनको वेतन नहीं दिया है. जिसकी वजह से उनके समक्ष आर्थिक संकट के साथ-साथ खाने-पीने की समस्या उत्पन्न हो गयी है. मजदूरों ने बताया कि कंपनी ने उनका पासपोर्ट भी जब्त कर लिया है. मजदूरों ने केंद्र और राज्य सरकार से बकाया वेतन के भुगतान कराने और वतन वापसी की गुहार लगाई है. सिकंदर अली ने केंद्र और राज्य सरकार से मजदूरों की मदद करने की अपील की प्रवासी मजदूरों के हित में काम करने वाले सिकंदर अली ने भारत सरकार और राज्य सरकार से मलेशिया में फंसे झारखंड के 70 मजदूरों की मदद करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि झारखंड में रोजगार की कमी के कारण आये दिन ऐसे मामले सामने आते रहते हैं. प्रदेश के विभिन्न जिलों के मजदूर रोजी-रोटी कमाने विदेश जाते हैं, जहां वह प्रताड़ना का शिकार होते हैं. मजदूरों के पलायन को रोकने के लिए राज्य सरकार को रोजगार की व्यवस्था करने की जरुरत है।

किता गाँव में जितिया व्रत हर्षोल्लास से सम्पन्न

मुरी : सिल्ली प्रखण्ड अंतर्गत जितिया व्रत धूमधाम से मनाया वही किता गांव में पुत्र के दीघार्यु व कल्याण की कामना को लेकर मनायें जाने वाली जितिया व्रत बुधवार को विधि विधान के साथ संपन्न हुआ जितिया व्रत करने वाली माताओं ने निंजल उपवास रखकर भगवान जीत वाहन की विधिवत पूजा अर्चना एवं जीवित पुत्रीका व्रत कथा का नियम अनुसार किया। इसके लिए कई घर के आंगन में सामूहिक पूजा का आयोजन किया गया। पूजा के पश्चात बच्चों एवं माताओं को चंदन का तिलक लगाकर हाथों में लाल धागा बांधा एवं प्रसाद वितरण किया।चण्डी प्रसाद महतो ने बताया कि व्रती माताओं ने मंगलवार को नहाय - खाय के साथ पूजा की विधि विधान प्रारंभ की। वहीं गुरुवार को निकटतम जलाशयों में जितिया डाली एवं कलश का विसर्जन के पश्चात ही महिलाएं व्रत तोड़कर अन्न, जल ग्रहण कर व्रत पूर्ण करेंगे।

सौ फीट ऊंचे हाईटेंशन लाइन में चढ़ गया विक्षिप्त युवक

मेट्रो रेज

मुरी : मुरी ओपी अंतर्गत पश्चिम बंगाल आसनसोल से आने वाली हाईटेंशन लाइन ग्राम कांटाडीह सिंगपुर होकर गुजरी हुई है ।इसमें करंट भी प्रवाहित हो रहा है। बुधवार की दोपहर मानसिक रूप से एक विक्षिप्त युवक लगभग सौ फीट ऊंचे हाईटेंशन टावर में चढ़ गया था। सूचना मिलने पर मुरी ओपी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के सहयोग से हिंडालको रेक्सु टीम को बुलाया गया।

घटना के लगभग 5 घंटे बाद रेक्सु टीम पहुंचकर उसे बचाने का प्रयास किया जाने लगा।हिंडालको रेक्सू टीम के सदस्यों ने टावर के नीचे झाल बांधकर चार सदस्य टावर पर चढ़ने लगे उनके करीब पहुंचने ही वाले थे।तभी युवक ने अजूबा हरकत करने लगा इसी क्रम में उसका हाथ छूट गया और नीचे गिरा। लगभग उक्त युवक 6 घण्टे तक टावर पर चढ़े रहा। आनन फानन में उसे घायल अवस्था में सिल्ली अस्पताल ले जाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। इलाज के क्रम में उन्होंने पुलिस को बताया कि नाम शमशेर आलम है तथा

गांव आमठौर ,सुपौल बिहार का रहने वाला है।जानकारी के मुताबिक बुधवार दोपहर 1 बजे आस पास काटाडीह गांव के समीप हाई टेंशन टावर में एक युवक को चढ़ते ग्रामीणों ने देखा।

ग्रामीण कुछ समझ पाते तब तक वह युवक काफी ऊपर चढ़ चुका था।मुरी पुलिस ने बताया कि युवक के हरकत से विक्षिप्त मालूम पड़ता है जिसे जांच के बाद ही पता चलेगा की यहां कैसे पहुंचा। हिंडालको रेक्सु टीम के साथ हिंडालको एच आर अरुण रॉय मुरी ओपी प्रभारी कुंदन कुमार समेत विद्युत विभाग के रामगढ़ और रांची के पदाधिकारी के साथ सिल्ली के विद्युत कर्मी भी उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

सरफराज अहमद को दी बधाई

रांची : माही के संयोजक व झारखंड राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड के सदस्य इबरार अहमद ने उन सभी समर्थकों को धन्यवाद ज्ञापित किया है जिन्होंने अध्यक्ष पद के चुनाव में उन पर विश्वास जताया। उन्होंने चुनाव बेहद निष्पक्ष एवं ईमानदारी से कराने पर निवार्ची पदाधिकारी समेत सभी लोगों को बधाई दी है।उन्होंने न राज्यसभा सांसद सरफराज अहमद को बोर्ड के अध्यक्ष बनने पर बधाई देते हुए कहा है कि बोर्ड के संपत्तियों का डिजिटलाइजेशन करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे और जो संपत्तियां वक्फ के अधीन नहीं है उन्हें वक्फ के अंतर्गत रजिस्ट्रेशन करने हेतु प्रेरित करेंगे।वक्फ बोर्ड की आमदनी बढ़ाने के लिए सभी को मिलकर काम करने की जरूरत है। इन्होंने कहा है कि मोअज्जिन और ईमाम को मानदेय और वजीफा देने की दिशा में काम करने की जरूरत है।यह व्यवस्था भाजपा शासित कई राज्यों में भी है।केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु आदि राज्यों में वक्फ की आमदनी से स्कूल, कालेज, विश्वविद्यालय और अस्पताल भी संचालित किए जाते हैं। झारखंड में भी इस दिशा में कोशिश की जानी चाहिए।इसके लिए सभी सदस्यों को काफी मेहनत करना पड़ेगा और चेयरमैन सरफराज अहमद को भी काफी समय देना होगा, तभी वक्फ बोर्ड का गठन सार्थक होगा।आम लोगों की आकांक्षाओं पर खरा उतरने की प्राथमिकता सर्वोपरी है।छ महीने के भीतर डिजिटलाइजेशन करने के टास्क को भी पूरा करना चाहिए। इधर-उधर बिखरी हुई संपत्तियों को भी वक्फ बोर्ड के दायरे में लाने की जरूरत है। वक्फ की संपत्तियों पर गरीब-गुरबा का पहला हक है, इसलिए वक्फ की आमदनी को इनके विकास में खर्च किया जाए।इबरार अहमद ने कहा है कि सभी सदस्य समर्पित होकर काम करें और सदस्य के रूप में अपने चयन को सार्थक करें।

अभियंता प्रमुख जे पी सिंह को एकता कमेटी ने सम्मानित किया

रांची : भारतीय एकता कमेटी रांची झारखंड के तत्वाधान में श्री जय प्रकाश सिंह ग्रामीण कार्य विभाग के अभियंता प्रमुख को बेहतरीन कार्य के लिए माला पहना कर तथा बुके देकर सम्मानित किया गया। संस्था के पदाधिकारी गणों ने श्री जयप्रकाश सिंह को एक ईमानदार साफ सुथरा मेहनती ऑफिसर बताया इस शुभ अवसर पर भारतीय एकता कमेटी के प्रतिनिधि मंडल में संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा सेक्रेटरी रामेश्वर राम पत्रकार और महासचिव बुलंद अख्तर और कामता यादव उपस्थित थे। भारतीय एकता कमेटी ने श्री जय प्रकाश सिंह से संस्था द्वारा चलाए जा रहे शुभ कार्यों में सहयोग करने की अपील भी की।

जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा अविलंब रद्द हो : नायक

रांची : आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा रद्द करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि 21 और 22 सितंबर को आयोजित जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा में फिर एक बार व्यापक मात्रा में गड़बड़ी और भ्रष्टाचार की गई है। *22 सितंबर को आयोजित परीक्षा के पेपर तीन में गणित, रिजनिंग और कंप्यूटर के सभी 60 प्रश्न पूर्व के परीक्षा से रिपीट कर दिया गया है। गणित विषय के सभी 20 प्रश्न के जगह पर एसएससी सीजीएल 2022 के प्रश्न सभी 20 प्रश्नों को रिपीट कर दिया गया है*।जिससे लगता है कि परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर उनके भविष्य को अंधकार करने का बार बार षड्यंत्र रचा जा रहा है जो राज्य के बेरोजगार शिक्षित युवाओ के लिए शुभ संकेत नही है ।

श्री नायक ने आगे यह भी कहा कि रघुवर सरकार और हेमंत सरकार दोनों सरकार ने पिछले आठ साल में एक परीक्षा पारदर्शी ढंग से लेने में नाकामयाब रही है और सिर्फ छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का कार्य किया गया ' इन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग किया कि वे तत्काल परीक्षा रद्द करें और आयोग को भंग कर परीक्षा कराने वाले एजेन्सी को भी हटाए और दोषियों पर कडी से कड़ी कार्रवाई हो जिससे फेयर परीक्षा के नीवं को झारखण्ड में रखा जा सके तथा पुरानी परम्परा को समाप्त किया जा सके। श्री नायक ने आगे यह भी कहा कि अगर जेएसएससी-सीजीएल की परीक्षा में गड़बड़ी को सुधारने की दिशा मे अविलंब कारवाई नहीं की गई और रांची, धनबाद सहित कई परीक्षा केंद्र में बाहर के छात्रों को पहले ही अंसर देने के आरोपों की जांच नहीं करायी गई एवं परीक्षा रद्द नहीं किया गया तो आंदोलन किया जायेगा।

प्रदेश कांग्रेस से नियुक्त पर्यवेक्षक को सील बंद लिफाफे में सौंपी गई विधानसभा वार प्रत्याशियों के 5 नाम

मेट्रो रेज

रांची : हजारीबाग जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में हजारीबाग जिला कमेटी की बैठक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार यादव ने की । बैठक में विधानसभा चुनाव को लेकर सभी विधानसभा क्षेत्र में उम्मीदवारी के लिए रायसुमारी के लिए झारखंड प्रदेश कांग्रेस से नियुक्त जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित सभी प्रखंड प्रभारी ,नगर और प्रखंड अध्यक्ष के साथ बंद लिफाफे में अपने अपने प्रखंडों की सूची सौपी । नरेश वर्मा बैठक में मुख्य रूप से भाग लिए । कार्यक्रम का संचालन जावेद इकबाल,और धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्याय सह प्रवक्ता निसार खान ने की। आज की बैठक में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार यादव ने सर्वप्रथम नियुक्त पर्यवेक्षक का स्वागत करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सारी वस्तु स्थिति से अवगत कराते हुए सभी बिंदुओं पर बारीकी से बातों को रखा तत्पश्चात जिला के पर्यवेक्षक श्री नरेश वर्मा ने कहा कि मुझे प्रदेश कांग्रेस ने जिस मकसद से आपके पास भेजा है उसे पूरी ईमानदारी तथा निष्ठा पूर्वक निष्पक्षता से बात को रखेंगे आपकी बातों को सुनकर आपकी इच्छाओं तथा भावनाओं को अपने आलाकमान तथा प्रदेश अध्यक्ष तक पहुंचाऊंगा । हमने देखा और पाया कि हजारीबाग जिला में हर सीट पर कांग्रेस का संगठन मजबूत है सभी विधानसभा को जीतने का माद्दा रखते है हमें पूर्ण विश्वास है कि प्रदेश अध्यक्ष जी हर कार्यकताओं की बातों को गंभीरतापूर्वक लेंगे तथा आपके हितों का पूरा-पूरा ख्याल रखेंगे । इस दौरान पर्यवेक्षक पार्टी कार्यालय में बंद कमरे में बारी-बारी से सभी प्रखंड व नगर अध्यक्ष,विधानसभावार चुनाव लड़ने के लिए दावेदार आवेदनकर्ता, जिला के नेताओं, कार्यकताओं तथा समर्थकों से मिले और उनकी बातों को बारीकी से सुना । पर्यवेक्षक प्रदेश कांग्रेस कार्यालय को अपना मंतव्य के साथ विधानसभा चुनाव में विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले दावेदारी की सूची समर्पित करेंगे । इस कार्यक्रम में सभी आवेदनकर्ता ,प्रदेश प्रतिनिधिगण ,वरिष्ठ कांग्रेसजन ,जिला 20 सुत्री के सदस्यगण ,प्रखंड 20 सुत्री के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण जिला 15 सुत्री के सदस्यगण, जिला के पदाधिकारीगण, महानगर कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयुआई, महिला कांग्रेस, कांग्रेस सेवा दल अतिरिक्त कांग्रेस के सभी प्रकोष्ठ और मंच मोर्चा के अध्यक्ष और कार्यकर्तागण उपस्थित रहे ।

कुलपति के निर्देश के बाद भी अतिथि शिक्षकों को नहीं मिला वेतन

मेट्रो रेज

रांची: अतिथि शिक्षकों के पिछले 16 महीने की सभी लंबित बकाया मानदेय के भुगतान केकुलपति अजीत कुमार सिन्हा के आश्वासन के बावजूद मानदेय का भुगतान नहीं होने पर राँची विवि अतिथि शिक्षक संघ ने25सितंबर2024से अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन-आंदोलन का सर्वसम्मति से निर्णय के फलस्वरूप राँची विवि मुख्यालय पर प्रदर्शन किया।जिसके बाद अतिथि शिक्षक संघ का प्रतिनिधि मंडल माननीय कुलपति से अपनी मांगों के समर्थन में मिला।प्रतिनिधि मंडल से वार्ता के दौरान कुलपति ने आज बुधवार को कहा कि मानदेय भुगतान हेतु कई बार उच्च शिक्षा विभाग,झारखंड सरकार को पत्र प्रेषित किया जा चुका है जिसके बावजूद भी उच्च शिक्षा विभाग ने अब तक मानदेय भुगतान हेतु राशि विवि प्रशासन को नहीं उपलब्ध कराई गई है जिसके कारण लंबे समय से अतिथि शिक्षकों का भुगतान नहीं हो सका है जैसे ही उच्च शिक्षा विभाग,झारखंड सरकार मानदेय मद में राशी उपलब्ध करा देगी वैसे ही यथाशीघ्र भुगतान करा दिया जाएगा।विवि प्रशासन उच्च शिक्षा विभाग से मानदेय भुगतान हेतु राशि उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है।जिसके बाद संघ का प्रतिनिधि मंडल उच्च शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन एवं उच्च शिक्षा विभाग के सचिव राहुल पुरवार से इस बाबत मुलाकात हेतु मंत्रालय गया जहाँ मुलाकात अनुपलब्धता की वजह से नहीं हो सकी।अतिथि शिक्षक संघ के प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व संघ के नेता डॉ. धीरज सिंह सूर्यवंशी ने किया। अतिथि शिक्षक संघ के नेताओं ने कहा कि मांगो को पूरा किए जाने तक आंदोलन अनवरत चलेगा।आज इस मौके पर भारी संख्या में अतिथि शिक्षक विवि मुख्यालय पहुंचे थे और साथ ही पूरे इस मामले में न्याय हेतु महामहिम राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, शिक्षा सचिव राहुल पुरवार से हस्तक्षेप की गुहार लगा रहे थे।आज के आंदोलन में डॉ. धीरज सिंह सूर्यवंशी, विकास कुमार, तल्हा नदवी, दीपशिखा समदर्शी, आलोक उत्पल, मोहम्मद आशीफ, अंजन कुमार, डॉ.चक्षु पाठक,डॉ. फरहत परवीन, अभिलाषा कुल्लू,डॉ. हैदर अली, रिंकी कुमारी, सचिन साहू, डॉ. अर्चना, डॉ. शिव कुमार आदि सहित भारी संख्या में शिक्षक पहुंचे थे।शिक्षक नेताओं ने मांगों के पूरा किए जाने तक अनवरत धरना,प्रदर्शन एवं आन्दोलन की बात एक स्वर से आज बुधवार को कही।

छात्र युवा संघर्ष समिति ने विधायक का पुतला फूंका

रांची: छात्र युवा संघर्ष समिति (स्व उदय शंकर ओझा) के बैनर तले स्थानीय पिस्का मोड़ चौक रांची में झामुमो विधायक सुदीव्य सोनू द्वारा बिहारियो के विरूद्ध दिए गय बयान झारखंड से सभी बिहारियो को बोरा में डाल कर वापस भेजेंगे के विरोध में विधायक का पुतला दहन एवम विरोध प्रदर्शन किया गया। जिसमे सभी ने एक स्वर में कहा की विधायक द्वारा दिया गया बयान बिहारियो के लिए अपमानजनक एवम असहनीय है। पूरा बिहारी समाज एक स्वर में ये मांग करता है की सुदिव्य सोनू पूरे बिहारी समाज से माफी मांगे एवम झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री से मांग है की ऐसे विधायक के ऊपर शख्त कार्यवाही करे। अन्यथा पूरा बिहारी समाज पुरजोर आंदोलन करेगा। इसे मांग नही चेतावनी माने। इस कार्यक्रम में दीपक ओझा, नीतीश भारद्वाज, बंटी सिंह राजपूत, सुरेंद्र साहू, गौरव सिंह, संतोष सिंह, सोहन शर्मा, तरुण तिवारी, अनुकूल शर्मा, यशस्वी सिंह, विकाश उपाध्याय, एवम अन्य सैंकड़ों बिहारी समाज के लोग उपस्थित रहे।

आरकेडीएफ विवि में फार्मास्यूटिकल पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

रांची: आरकेडीएफ विश्वविद्यालय, रांची के फार्मास्यूटिकल साइंसेज संस्थान द्वारा फार्मासिस्ट डे के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य फार्मासिस्टों की महत्वपूर्ण भूमिका और स्वास्थ्य सेवाओं में उनके योगदान के बारे में जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम की शुरूआत आरकेडीएफ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस. चटर्जी द्वारा के उद्घाटन भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने फार्मासिस्टों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ₹फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवाओं का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। उनकी भूमिका न केवल दवाओं के वितरण तक सीमित है, बल्कि रोगियों की समग्र देखभाल में भी अहम योगदान देती है। कार्यक्रम में फार्मास्यूटिकल साइंसेज के छात्रों और संकाय सदस्यों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर कई विशेषज्ञ वक्ताओं ने फार्मास्यूटिकल उद्योग में नई प्रगति, फार्मास्यूटिकल शिक्षा और शोध के बारे में चर्चा की। विभिन्न सत्रों के दौरान, फार्मासिस्टों की नई चुनौतियों और उनके समाधान पर भी विचार-विमर्श किया गया। फार्मास्यूटिकल साइंसेज संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. फेडेलिक आशीष टोप्पो ने कहा, ₹फार्मासिस्ट डे केवल फार्मासिस्टों के लिए सम्मान का दिन नहीं है, बल्कि यह हमें उनकी जिम्मेदारियों और सेवाओं को याद दिलाने का एक अवसर भी है। हम अपने छात्रों को इस क्षेत्र में बेहतर प्रशिक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि वे भविष्य में समाज की बेहतर सेवा कर सकें। कार्यक्रम के दौरान पोस्टर प्रतियोगिता, क्विज और व्याख्यान सत्र जैसे शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। छात्रों ने फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में नई खोजों और दवाओं के विकास पर अपने विचार प्रस्तुत किए। फार्मासिस्ट डे के अवसर पर विशेष दंत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया शिविर में विशेषज्ञ दंत चिकित्सक डॉ. आनंद ठाकुर की टीम ने प्रतिभागियों के दांतों की जांच की और उन्हें सही दंत देखभाल और उपचार के बारे में मार्गदर्शन दिया। शिविर में शिक्षक, शिक्षिका, विद्यार्थी की विशेष भागीदारी देखने को मिली।

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग,कार्य प्रमण्डल, रामगढ़

शुद्धि-पत्र

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 01/R1/2024-25/RWD/RAMGARH जिसका PR No. 335983 (Rural Work Department) के द्वारा प्रकाशित निविदा में निविदा डालने की अन्तिम तिथि 28.09.2024 के स्थान पर 01.10.2024 पढ़ा जाय एवं निविदा खोलने की तिथि 30.09.2024 के स्थान पर 04.10.2024 पढ़ा जाय।

निविदा की अन्य सभी शर्ते यथावत रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग,
कार्य प्रमंडल, रामगढ़

PR 337092 Rural Work Department (24-25)_D

कार्यालय, नगर पंचायत, डोमचाँच (कोडरमा)

शुद्धि–पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक–533 दिनांक–20.09.2024 द्वारा प्रकाशित ई–निविदा सूचना संख्या–01/2023-24, Date-20.09.2024 के स्थान पर सूचना संख्या–08/2024-25, Date-20.09.2024 पढ़ा जाय। में अंकित Date-25.09.2024 (Date of Publication of Tender on Website) के स्थान पर Date-26.09.2024 , Date-09.10.2024 (Last Date /Time for receipt Bid on Online) के स्थान पर Date-04.10.2024 तथा Date-12.10.2024 (Date of Opening Tender) के स्थान पर Date-05.10.2024 पढ़ा जाय। जिसका PR. No.336767 (Urban Development) 24-25 (D) है।

शेष सभी शर्ते यथावत् रहेंगी।

प्रशासक

PR 337077 Urban Development(24-25).D नगर पंचायत, डोमचाँच

राजनीतिक दल 10-10 वैश्य उम्मीदवार दे : वैश्य मोर्चा

रांची : रेडियम रोड़ स्थित होटल आलोका के सभागार में झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की कोर कमिटि की बैठक आयोजित की गयी. इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने किया. संचालन उप-प्रधान महासचिव उपेन्द्र प्रसाद ने किया. बैठक में 2 अक्टूबर को रांची में प्रस्तावित वैश्य सद्भावना सम्मेलन, गत दिनों मुख्यमंत्री को सौंपे गए 10 सूत्री मांग-पत्र, झूठे केस में जेल भेजे गए आकाश साहु के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक में विचार- विमर्श करने के पाश्चात्य तय किया गया कि 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर जिला एवं प्रखंडों में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें अपने-अपने क्षेत्र के केंद्रीय पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष और स्थानीय कार्यकर्ता शामिल होंगे. जबकि 20 अक्टूबर को वैश्य मोर्चा के 6वां स्थापना दिवस पर रांची में वैश्य सद्भावना सम्मेलन आयोजित किया जाएगा. इस सम्मेलन में पूरे प्रदेश के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे. कार्यक्रम में वैश्य समाज के मंत्री, सांसद, विधायक और नेताओं को भी आमंत्रित किया जाएगा. बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि सामाजिक क्षेत्र के साथ साथ राजनीतिक क्षेत्र में भी मजबूत होना जरूरी है. तभी अपनी का समाधान निकाला जा सकता है. श्री साहु ने उपस्थित पदाधिकारियों को अपने अपने क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित करने की सलाह देते हुए वैश्य मोर्चा के मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाने को कहा। बैठक में सर्वसम्मति से तीन प्रस्ताव पारित किये गये. पहले प्रस्ताव में कहा गया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 27 सितंबर को होने वाले कैबिनेट की बैठक में वैश्य मोर्चा की मांगों, यथा- ओबीसी को 27% आरक्षण, वैश्य आयोग का गठन, जाति आधारित जनगणना, छोटे व्यवसायियों के 10 लाख रुपये तक की ऋण माफी, वैश्यों की लूटी गयी जमीन वापसी, वैश्यों को फर्जी केस में फंसाने पर रोक एवं ऑनलाइन मार्केटिंग पर प्रतिबंध आदि पर सकारात्मक विचार करते हुए निर्णय लिया जाए. दूसरे प्रस्ताव में कहा गया कि आगामी विधानसभा चुनाव में झामुमो-कांग्रेस गठबंधन कम से कम 10 वैश्य उम्मीदवारों को टिकट दे. इसी तरह भाजपा गठबंधन भी कम से कम 12 वैश्य उम्मीदवारों को टिकट दे। तीसरे प्रस्ताव में कहा गया कि रांची के बुड़मू प्रखंड के मतवे ग्राम निवासी आकाश साहु को चंद पुलिस वाले और एक-दो कथित नेताओं की साजिश के तहत फर्जी केस बना कर जेल भेज दिया गया है और पूरे परिवार को भी निशाना बनाया जा रहा है. यह एक अति पिछड़े वैश्य वर्ग के परिवार के साथ घोर अन्याय है. वैश्य मोर्चा इस मामले की निंदा करते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग करती है(इस बैठक में मुख्य रूप से कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु, विशेष आमंत्रित सदस्य संजीव चौधरी, वरीय उपाध्यक्ष रामसेवक प्रसाद, सुरेश साहु, केंद्रीय उपाध्यक्ष लक्ष्मण साहु, केंद्रीय महासचिव कपिल प्रसाद साहु, दिनेश्वर मंडल, शिव प्रसाद साहु, केंद्रीय सचिव रामाशंकर राजन, संगठन महासचिव कृष्णा साहु, संगठन सचिव अनिल वैश्य, मीडिया प्रभारी राहुल कुमार साहु, केंद्रीय सदस्य नरेश साहु, रांची जिला अध्यक्ष रोहित कुमार साहु, युवा मोर्चा अध्यक्ष हलधर साहु, छात्र मोर्चा के अध्यक्ष युवराज साहु, उपाध्यक्ष कुमार चाणक्य, संजय प्रसाद, निरंजन साहु आदि उपस्थित थे।

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान/महिला/कुडू/कुजरा/कैरो, लोहरदगा।
(Email Id- principalitilohardaga@gmail.com)

नामांकन सूचना

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में First come First serve Basis पर Spot 2nd Round Online Admission हेतु रिक्त सीटो पर शैक्षणिक सत्र 2024–25–26 में नामांकन से संबंधित सूचना

निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक– 1503 दिनांक– 25.09.2024 के द्वारा इस जिले में अवस्थित सभी सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कुजरा, लोहरदगा, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कुडू, लोहरदगा, महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, लोहरदगा एवं LWE, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कैरो, लोहरदगा में शैक्षणिक सत्र– 2024–25–2026 में विभिन्न व्यवसायों में नामांकन हेतु 8वीं एवं 10वीं कक्षा में प्राप्तांक आधारित अन्तिम मेद्या–सूचियों के आधार पर आयोजित की जाने वाली 2nd Online Spot Round counseling से संबंधित अति महत्वपूर्ण सूचना।

निदेशालय, नियोजन एवं प्रशिक्षण, झारखण्ड, राँची के अन्तर्गत संचालित उपरोक्त सभी वर्णित संस्थानों में शैक्षणिक सत्र–2024–25–2026 में विभिन्न व्यवसायों मे नामांकन के लिए रिक्त सीटो पर 2nd Spot Round counseling हेतु counseling एवं नामांकन का कार्यक्रम निम्नवत है:–

Time Schedule for spot 2nd round of online counselling & Admission

Sl no.	Activity	Date	
		Date	To
1.	SPOT Round online Admission (Seat Allotment and Admission)	25.09.2024	30.09.2024

2. दिनांक– 25.09.2024 से 30.0.2024 तक उपरोक्त वर्णित सभी सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानो, में Spot Round Online Admission लिया जाएगा। Spot 2nd Round Online Admission के दौरान संबंधित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, के विभिन्न व्यवसायों में रिक्त सीटो पर First come First serve Basis पर व्यवसाय/सीट का आवंटन कर नामांकन लिया जाएगा। Spot Round में Admission Module में निबंधित अभ्यर्थियों का ही औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा नामांकन लिया जाएगा।

3. ऐसे अभ्यर्थी जिनका पूर्व में Portal में निबंधन नहीं हुआ है। वैसे इच्छुक अभ्यर्थी जो नामांकन के लिए सभी अहर्ता रखते हैं एवं वांछित दस्तावेज उनके पास उपलब्ध है तो उनका On the spot online registration करके संस्थान, द्वारा व्यवसाय/सीट का आवंटन एवं नामांकन किया जाएगा।

4. 10वीं पास/8वीं पास वाले अभ्यर्थी जिनका 10वीं/8वीं में समान अंक प्राप्त हुए है, ऐसी स्थिति में पोर्टल में पूर्व से निबंधित अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जायेगी।

5. रिक्त सीटों की जानकारी संबंधित संस्थान से सम्पर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

6. नामांकन हेतु पूर्व में प्रकाशित की गई विज्ञापन में नामांकन हेतु जो निर्देश दी गई थी वो यथावत् रहेगी।

नोट– संस्थानों में संचालित व्यवसायों के रिक्त सीटो पर First come First serve Basis पर व्यवसाय/सीट का आवंटन कर नामांकन लिया जाएगा।

ह0/–
प्राचार्य
नोडल औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान,
कुजरा, लोहरदगा।

PR 337094 (Lohardaga) 24-25 (D)

सूक्ति

उठो और तब तक चलो जब तक की तुम्हें तुम्हारी मंजिल नहीं मिल जाती है। - विवेकानंद

बेरोजगारी से स्वरोजगार

आवधिक श्रम बल सर्वे रपट के अनुसार, देश में बेरोजगारी घट रही है और मौजूदा दर 3.2 फीसदी पर ठहर गई है। यह डाटा सरकारी है, लिहाजा उसे ही विश्वसनीय आधार मान कर आकलन किए जाते हैं। भारत में बेरोजगारी दर अमरीका, यूरोप, चीन, अरब देश की तुलना में सबसे कम है, लेकिन आज भी गोवा, पंजाब, राजस्थान, केरल आदि राज्यों में बेरोजगारी राष्ट्रीय औसत से अब भी अधिक है। यदि समुदायों का डाटा देखा जाए, तो अल्पसंख्यक सिखों में सबसे अधिक बेरोजगारी है। हिंदू और सवर्ण भी काफी बेरोजगार हैं। हालांकि बीते छह सालों में बेरोजगारी दर आधी रह गई है। सुखद यह है कि 25 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में काम करने वालों अथवा काम तलाश करने वालों की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। यह दर सिक्किम में सर्वाधिक 60.5 फीसदी है। छत्तीसगढ़ में यह दर 51.3 फीसदी है, जबकि गुजरात और महाराष्ट्र में क्रमशः 45.2 फीसदी और 44.5 फीसदी है। राजस्थान और पंजाब में कामकाजी आबादी की दर 40 फीसदी से अधिक है, लेकिन बिहार, उप्र, झारखंड जैसे राज्यों में यह दर सबसे कम है। जब आवधिक श्रम बल सर्वे की रपट का अध्ययन करते हैं, तो महिलाओं की श्रम-बाजार में हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। इसी के साथ स्व-रोजगार का रुझान भी बढ़ा है। भारत में स्व-रोजगार की परिभाषा और क्षेत्र ही सवालिया हैं। रेहड़ी-पटरीवालों से लेकर परचून के दुकानदार, कृषि और लघु, सूक्ष्म उद्यमी सभी स्व-रोजगार की परिधि में आते हैं, लिहाजा उनकी आय अलग-अलग है। स्व-रोजगार के तहत जो स्थितियां लघु और सूक्ष्म उद्योगों की चीन में है, उसकी तुलना में भारत काफी पीछे है। रपट खुलासा करती है कि यदि एक नौकरीपेशा व्यक्ति को 21,000 रुपए से अधिक माहवार वेतन मिलता है, तो स्व-रोजगार वाले की औसतन आय 17,000 रुपए से कुछ अधिक है। जाहिर है कि कोई व्यक्ति नियमित और निश्चित आय वाली नौकरी छोड़ कर कम आय वाले और बेहद असुरक्षित स्व-रोजगार में जाना पसंद नहीं करेगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार स्व-रोजगार को प्रोत्साहन देती रही है, लेकिन उसकी परिस्थितियां बदलनी चाहिए, ताकि स्व-रोजगार से भी बेहतर आमदनी प्राप्त की जा सके।

देश में स्व-रोजगार वाले 58.4 फीसदी लोग हैं, नौकरी वाले 21.7 फीसदी और दिहाड़ीदार 19.8 फीसदी लोग हैं। स्व-रोजगार वाले 39 फीसदी लोग अकेले ही काम करते हैं, जबकि 19.4 फीसदी अपने परिवार के कारोबार में हाथ बंटाते हैं। उन्हें अलग से कोई वेतन नहीं दिया जाता। कृषि क्षेत्र में सबसे ज्यादा 82 फीसदी स्व-रोजगार वाले हैं। करीब 17 फीसदी दिहाड़ीदार भी खुद को स्व-रोजगारी मानते हैं। देश में स्व-रोजगार वाले सर्वाधिक 72.9 फीसदी अरुणाचल प्रदेश में हैं। उप्र में भी 72.7 फीसदी स्व-रोजगारी हैं। इस रपट के जरिए एक आश्चर्यजनक डाटा सामने आया है कि हरियाणा में चुनाव से कुछ दिन पहले ही सार्वजनिक किया गया है कि हरियाणा में बेरोजगारी सबसे अधिक घटी है। सर्वे के मुताबिक, यह दर 3.4 फीसदी है, जो 2022-23 में 6.1 फीसदी थी। तब गोवा की यह दर सर्वाधिक 9.7 फीसदी होती थी। मप्र एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां बेरोजगारी दर 0.9 फीसदी है। इस सूची में दूसरे स्थान पर गुजरात (1.1 फीसदी) और तीसरे स्थान पर झारखंड (1.3 फीसदी) है। बहरहाल यदि स्व-रोजगार के क्षेत्र में सुधार लाए जाएंगे, तो औसत नौकरी के लिए मारा-मारी भी कम होगी, नतीजतन बेरोजगारी दर भी कम होती रहेगी। यह तथ्य भी सामने आया है कि नौकरीपेशा को वेतन के अलावा अन्य सुविधाएं भी न देनी पड़ें, लिहाजा नियोक्ता 61.1 फीसदी कर्मचारियों को नियुक्ति-पत्र ही नहीं देते हैं। दूसरी तरफ दिहाड़ीदार मजदूरों की संख्या कम होती जा रही है, जाहिर है कि कल-कारखानों में उत्पादन, निर्माण घटा है अथवा लघु उद्योग निष्क्रिय होते जा रहे हैं। नतीजा यह है कि जो मजदूर बेरोजगार होते हैं, वे अपने गांव या पैतृक स्थान लौटने लगते हैं। फिर वे खेती या अन्य पारिवारिक कारोबार में काम करने लगते हैं। बुनियादी तौर पर ऐसे लोग बेरोजगार हैं, लेकिन सरकारी डाटा में उन्हें स्व-रोजगारी बताया गया है। सबसे चिंतित डाटा यह है कि 15-29 आयु वर्ग में जो बेरोजगार होते हैं, वे औसत बेरोजगारी दर से तीन गुना अधिक हैं और वह संख्या बीते एक अंतराल से घट नहीं पा रही है। बेरोजगारी के मुद्दे पर मृग-मरीचिका वाली स्थिति भी है, लिहाजा उन भ्रमित आंकड़ों समेत विश्लेषण किया जाना चाहिए। मोदी सरकार के पिछले दस सालों के कार्यकाल में कितने युवाओं को सरकारी नौकरियां, स्वरोजगार और निजी क्षेत्र में रोजगार दिया गया, इस संबंध में स्पष्ट रूप से आंकड़े सामने आने चाहिएं। यह विश्लेषण करने की जरूरत है कि एनडीए ने जितने रोजगार का वादा किया था, क्या उस हिसाब से रोजगार दिया गया? हालांकि यह सत्य है कि केंद्र सरकार के कुछ विभागों में मैरिट के आधार पर युवाओं को अनुबंध नियुक्तियां जरूर दी गई हैं।

पुस्तकालय की छांव में

पुस्तकालयों की छांव में अध्ययन की परिपाटी और भविष्य के पालन-पोषण में संस्थान का महत्त्व बदल रहा है। पुस्तकालय अब अध्ययन की गंध को सहेजे किताब नहीं, बल्कि माहौल की साधना में भविष्य के पठन पाठन की ऐसी प्रकिया है, जिसे युवा स्वयं चुन रहे हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग द्वारा शुरू की गई पुस्तकालयों की रैंकिंग से नवचेतना के आकाश पर इसकी संरचना सशक्त हो सकती है। अब पुस्तकालयों का ग्रेड उन्हें खास महत्त्व व पहचान दिलाएगा। दरअसल कुछ सार्वजनिक पुस्तकालयों के अध्ययन कक्ष पिछले सालों में शिक्षा के गंभीर अध्यायों के सहयोगी बन गए हैं। पढ? की कला और विषयों का अध्ययन इस दौरान पुस्तकालयों को जीवंत कर गया। लाइब्रेरी अब सीधे युवाओं से संबोधित होने लगी है और जहां भविष्य के प्रति युवाओं की आंतरिक ऊर्जा, संकल्प और अध्यवसाय पारंगत होकर बाहर आने लगा है। कभी पुस्तकालय आंदोलन से साहित्य की पताका निकलती थी और अतिरिक्त पठन-पाठन की श्रृंखला में युग अपने आईनों को पुस्तकों में निहारता था, लेकिन अब भविष्य के सारे महायज्ञ लाइब्रेरी में होने लगे हैं। यह दौर कुछ और आगे बढकर डिजीटल युग के समाधानों में पुस्तकालय की जरूरत को युवा महत्त्वाकांक्षा के साथ बांध रहा है। यही कारण है कि धर्मशाला जैसे शहर में करीब दो दर्जन निजी पुस्तकालयों में सुविधाएं और माहौल मुंहमांगे दाम में बिक रहे हैं। पुस्तकालय अब परिसर और चौबीस घंटे के अवसर में व्यक्तित्व विकास के हर आयाम में साक्षी बन रहे हैं। धर्मशाला का जिला पुस्तकालय पिछले एक दशक से युवा हाजिरी का ऐसा पैमाना हासिल कर चुका है, जहां सुबह किताबों की आंखें खुलती हैं, तो शिक्षण संस्थानों की औपचारिकता से हटकर युवा अपने भविष्य की घंटियां सुनते हैं। ऐसे अन्य सार्वजनिक पुस्तकालय भी हैं जहां महत्त्व के अलग-अलग पैमाने होंगे। खुशी की बात यह कि शिक्षा निदेशक युवा पगडंडियों से गुजर कर पुस्तकालयों के रास्तों को चौड़ा करना चाहते हैं। भविष्य में जो कार्य औपचारिक शिक्षा नहीं कर सकती, उसका नया ध्रुव व शिखर पुस्तकालय में तराशा जा सकता है, बशर्ते ये अध्ययन संस्थान की परिपाटी में विकसित किए जाएं। बेशक पुस्तकालयों की रैंकिंग से विभाग अपनी दिशा व प्राथमिकता तय कर सकता है, लेकिन आदर्श पुस्तकालयों का निर्माण व प्रबंधन अब नई विधा है।

तार्किक पाठ्यक्रम समय की मांग

एनसीईआरटी से अपेक्षा है कि वह वर्तमान विवाद से अप्रभावित रहते हुए छात्रों के ऐतिहासिक दृष्टिकोण के विकास से संबंधित पाठ्यक्रम का विकास करेगी, न कि तथ्यों के चयन में छात्रों को उलझाएगी। पाठ्य पुस्तकें किसी देश की सरकार द्वारा दिया गया आधिकारिक कथन होती हैं।

प्रियंका सौरभ

एनसीईआरटी कक्षा छह से दस तक की इतिहास, समाजशास्त्र और राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों में बदलाव कर रहा है। एक मजबूत शिक्षा प्रणाली में शिक्षण सामग्री का संशोधन पाठ्यक्रम के लिए समान होना चाहिए। लेकिन भारत में स्कूली पाठ्यक्रम हमेशा नवीनतम शोध के साथ तालमेल बनाए रखते हैं। पक्षपातपूर्ण या संकीर्ण दृष्टिकोण से बचने के लिए स्वतंत्रता के बाद से, हमारी स्कूली पाठ्यपुस्तकें अकसर कला, साहित्य, दर्शन, शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास में भारत की प्रगति को मान्यता देने से बचती हैं। पहले की पाठ्यपुस्तकें भारतीय इतिहास के बारे में एक ऐसा दृष्टिकोण बनाती हैं जो विश्व की सभ्यता पर भारत के गहन प्रभाव को दबा देती है। इसके परिणामस्वरूप हमारी राष्ट्रीय पहचान और ऐतिहासिक कथा के बारे में एक विषम धारणा बनती है। स्कूली विद्यार्थियों को कम उम्र में ऐतिहासिक घटनाओं और संघर्षों की आक्रामकता के संपर्क में लाना उन्हें संकट में डाल सकता है। स्कूली पाठ्यक्रम में शिक्षा के अनुचित चरणों में ऐतिहासिक संघर्षों का परिचय, बच्चों के दिमाग में व्यापक ऐतिहासिक संदर्भ की कमी की धारणा को अमर कर सकता है। एक संतुलित कथा बच्चों के दिमाग में दुश्मनी और पूर्वाग्रह पैदा करने के जोखिम को कम करती है।

एकतरफा ऐतिहासिक तथ्य स्कूली बच्चों के बीच सामाजिक सामंजस्य और आपसी सम्मान में बाधा डालेंगे। सार्थक पाठ्यपुस्तक संशोधनों का विरोध एक पुरानी संकीर्ण वैचारिक विचार प्रक्रिया को दशार्ता है, जो भविष्य में ऐतिहासिक शिकायतों और शत्रुता को शाश्वत बनाता है। एक संतुलित, विश्वसनीय और भरोसेमंद ऐतिहासिक कथा, संघर्ष समाधान और आपसी सम्मान के सकारात्मक उदाहरणों को रेखांकित करती है। यह छात्रों को अपने जीवन में सकारात्मक उदाहरणों और सिद्धांतों को लागू करने के लिए प्रेरित करती है। स्कूली छात्रों को एक संतुलित इतिहास पढ़ाना जो संघर्ष-आधारित कथाओं को कम करता है, उन्हें भारत की विरासत के बारे में बेहतर जानकारी के साथ जिम्मेदार और सहानुभूतिपूर्ण नागरिक बनने में सक्षम बनाता है। ऐसी पाठ्य पुस्तकें बच्चों में संज्ञानात्मक और भावनात्मक आधार बनाती हैं, जो भविष्य के आलोचनात्मक विश्लेषण के लिए आवश्यक है। संतुलित कथाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्कूली पाठ्यपुस्तकों को संशोधित करने का कोई भी प्रयास अंत नहीं बल्कि एक शुरूआत है। छात्रों को ऐसी संतुलित पाठ्यपुस्तकों से जो आधार मिलता है, वह उन्हें बाद के वर्षों में एक गहरी ऐतिहासिक समझ बनाने में मदद करेगा। स्कूली पाठ्यपुस्तकों को छात्रों की उभरती जरूरतों को पूरा करने में उत्तरदायी होने के लिए बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने की जरूरत है।

पाठ्य पुस्तकों में क्या पढ़ाया जाए और क्या न पढ़ाया जाए, इसकी चर्चा लगातार होती रही है, क्योंकि स्कूल की पाठ्यपुस्तकें ही वह माध्यम हैं, जिनके द्वारा सुविधाजनक विमर्श को आगे बढ़ाया जा सकता है। विवाद तब होता है, जब एक विमर्श आपके लिए सुविधाजनक होता है और दूसरे वर्ग के लिए असुविधाजनक। वर्तमान में इतिहास की पाठ्य पुस्तकों में किए गए कुछ बदलावों से संबंधित विवाद को भी उसी संदर्भ में देखना चाहिए, जब एक वर्ग का सुविधाजनक दृष्टिकोण दूसरे वर्ग के विमर्श के अनुरूप नहीं होता है। देखा जाए तो इस प्रकार का विवाद पहली बार नहीं हुआ है। भारत के शैक्षणिक इतिहास में इस प्रकार के विवाद पहले भी होते रहे हैं। विश्व भर की शिक्षा व्यवस्थाएं अपने-अपने देश के पाठ्यक्रम को समझ और तार्किक दृष्टिकोण पर आधारित बनाना चाह रही हैं, वहीं हमारे देश में विवाद इस बात पर हो रहा है कि किस पक्ष का तथ्य सही है? यहां असुविधाजनक तथ्य को वृत्तांत की सहायता से सदैव छुपाने का प्रयास रहता है। इतिहास को न केवल तथ्यों से समझा जा सकता है और न केवल वृत्तांतों से। इसलिए यह आवश्यक है कि दोनों का उचित मात्रा में समावेश हो, मगर हमारे देश में इतिहास लेखन की शैली में तथ्य और वृत्तांत का विभाजन काफी बारीक है। इस विषय के पुनरावलोकन की आवश्यकता है। जहां पूरे विश्व की शैक्षणिक व्यवस्थाएं अपने स्वरूप को बदल रही हैं और छात्रों को तथ्यों से भरने के बजाय उन्हें इतिहास आधारित दृष्टिकोण से युक्त करने पर जोर दे रही हैं, जिससे छात्रों में इतिहास के प्रति एक वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण विकसित हो सके। आज के तकनीकी दौर में इतिहास बोध होने पर छात्र स्वयं ही ऐतिहासिक तथ्यों की पड़ताल कर सकता है।

किसी देश की शिक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक है कि वह अपने छात्रों को तथ्य आधारित, वस्तुनिष्ठ पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराए, क्योंकि यही छात्र भविष्य के विमर्श को न केवल आगे बढ़ाते हैं, अपितु नए विमर्श की शुरूआत भी करते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि इतिहास में एकपक्षीय दृष्टिकोण से आगे बढ़कर चिंतन और तार्किक पाठ्यक्रम का विकास किया जाए। एनसीईआरटी से अपेक्षा है कि वह वर्तमान विवाद से अप्रभावित रहते हुए छात्रों के ऐतिहासिक दृष्टिकोण के विकास से संबंधित पाठ्यक्रम का विकास करेगी, न कि तथ्यों के चयन में छात्रों को उलझाएगी। पाठ्य पुस्तकें किसी देश की सरकार द्वारा दिया गया आधिकारिक कथन होती हैं। इस रूप में ये वैचारिक या सैद्धांतिक परियोजना होती है। इतिहास और राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों का पुनरीक्षण वैसे भी अधिक संवेदनशील होता है। ये विषम समकालीन प्रासंगिकता के मुद्दों पर विचार करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करते हैं। उन्हें सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं को इतिहास के पलड़े पर तौलकर, इतिहास और वर्तमान के बीच तार्किक सामंजस्य बनाना सिखाते है।

समस्याओं को आमंत्रित करती बढ़ती जनसंख्या

विशेषज्ञों ने इसके लिए खराब कार्यान्वयन प्रक्रियाओं, प्रभावी निगरानी की कमी, कुपोषण से निपटने का उदासीन दृष्टिकोण और बड़े राज्यों के खराब प्रदर्शन को दोषी ठहराया है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार भारत की 14 फीसदी आबादी कुपोषण की शिकार है। वैश्विक भूख सूचकांक में देशों को चार प्रमुख संकेतकों के आधार पर रैंकिंग दी जाती है।

आरके. सिन्हा

जनसंख्या नियंत्रण पर कानून बनाने या इसका जब भी जिक्र होता है, तब हिंदू-मुस्लिम बहस छिड़ जाती है। कुछ मुस्लिम नेताओं का कहना है कि जनसंख्या नियंत्रण कानून मुस्लिम विरोधी है। लेकिन यह समय की मांग है कि बढ़ती आबादी से उत्पन्न हो रही चुनौतियों से निपटने के लिए योजना बने। विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला एक वैश्विक उत्सव है। यह दिन पांच अरब का दिन (11 जुलाई 1987) की याद में मनाया जाता है, जब दुनिया की आबादी पांच अरब लोगों की हो गई थी। भारत में आजादी के समय कुल जनसंख्या 33 करोड़ थी जो 2011 की जनगणना के मुताबिक बढकर 125 करोड़ पहुंच गई थी। कोरोना महामारी के चलते 2021 की जनगणना का कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया था। डिजिटल पॉपुलेशन क्लॉक के अनुसार 05 जुलाई 2024 को भारत की जनसंख्या 1452962421 थी, जिसमें 750202835 पुरुष आबादी (51.6 फीसदी), महिला जनसंख्या 702759539 करोड़ (48.4 प्रतिशत) थी और विश्व की कुल जनसंख्या 8119703999 थी। इंडिया स्टेट डॉट कॉम के अनुमान के अनुसार 2030 तक भारत की कुल जनसंख्या 153 करोड़ और 2050 तक 168 करोड़ तक पहुंच जाएगी। विश्व की दूसरी सबसे बड़ी आबादी और दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश चीन ने लंबे समय तक एक बच्चा पैदा करने की नीति को सख्ती से लागू किया हुआ था। लगभग 143 करोड़ की आबादी वाले देश चीन में अब वहां की कम्युनिस्ट सरकार ने 3 बच्चों को अपनाने की नीति की घोषणा की है।

चीन जहां अपने यहां बढ़ती बूढ़ी आबादी और कम होती युवा श्रम शक्ति से परेशान है, तो वहीं भारत की 65 फीसदी युवा आबादी जहां भारत का संबल है, तो वहीं देश में बढ़ती बेरोजगारी जैसी बड़ी चुनौती का पर्याय भी है। भारत की बढ़ती जनसंख्या का असर वैश्विक भूख सूचकांक-2023 (ग्लोबल हंगर इंडेक्स) की रिपोर्ट में भी देखा जा सकता है, जिसमें 125 देशों की सूची में भारत 111वें स्थान पर है और भूख की गंभीर श्रेणी में है। इस इंडेक्स में भारत के पड़ोसी देशों-पाकिस्तान (102वें), बांग्लादेश (81वें), नेपाल (69वें) और श्रीलंका (60वें) ने भारत से बेहतर स्थान हासिल किया है। विशेषज्ञों ने इसके लिए खराब कार्यान्वयन प्रक्रियाओं, प्रभावी निगरानी की कमी, कुपोषण से निपटने का उदासीन दृष्टिकोण और बड़े राज्यों के खराब प्रदर्शन को दोषी ठहराया है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार भारत की 14 फीसदी आबादी कुपोषण की शिकार है। वैश्विक भूख सूचकांक में देशों को चार प्रमुख संकेतकों के आधार पर रैंकिंग दी जाती है- अल्पपोषण, बाल मृत्यु, पांच साल तक के कमजोर बच्चे और बच्चों का अवरुद्ध शारीरिक विकास। बढ़ती आबादी के पीछे अशिक्षा, अंधविश्वास, परिवार नियोजन के तौर-तरीकों में जागरूकता का अभाव और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही जैसे बुनियादी कारण हैं। जनसंख्या वृद्धि के कारण नई पीढ़ी को भविष्य के लिए बुनियादी जरूरतों और सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ेगा। आज भी भारतीयों को बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट, भुखमरी, चिकित्सा सुविधाओं, कुपोषण, स्वच्छ पेयजल की कमी, बिजली-पानी के संकट और गरीबी से बुरी तरह से जूझना पड़ रहा है। इसके अलावा ग्रामीण आवास की समस्या, गंदा पानी और कूड़ा कचरा जैसी समस्याएं अलग से मुंह बाए खड़ी हैं। यदि समय रहते सरकारों ने आने वाली पीढ़ियों को सुंदर सुखी जीवन देने के लिए अभी से प्रयास शुरू नहीं किए भी भविष्य में भावी पीढ़ियों के समक्ष आपसी संघर्ष की परिस्थितियां निर्मित होना तय है। इसके साथ ही जनसंख्या नियंत्रण के अभाव में देश की आर्थिक स्थिति बिगड़ने से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। जून 2024 में बेरोजगारी दर बढकर आठ महीने के उच्च स्तर 9.2 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो पिछले महीने 7 प्रतिशत थी। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के अनुसार जून 2023 में यह दर 8.5 प्रतिशत थी। भारत में 70 के दशक में परिवार नियोजन कार्यक्रम चलाया गया था।

उस समय भी महिलाओं की नसबंदी पर ही ज्यादा ध्यान केंद्रित किया गया था। आपातकाल के दौरान व्यापक पुरुष नसबंदी अभियान चलाया गया था जिसमें एक साल के अंदर साठ लाख से ज्यादा लोगों की नसबंदी कर दी गई थी जिसका भारी विरोध भी हुआ था। यह वक्त का तकाजा है कि केंद्र एवं राज्य सरकारें जनसंख्या वृद्धि से पैदा हो रही चुनौतियों से निपटने के लिए एक सर्व स्वीकार्य कार्यक्रम सामने लेकर आएं ताकि भारतीय लोग परिवार नियोजन को स्वेच्छा से अपनाकर देश को आने वाली पीढ़ियों के लिए रहने लायक बनाने की दिशा में अपना योगदान दे सकें। सही तरीके से गर्भनिरोधक उपायों, गर्भपात, बन्ध्यीकरण, एकल बच्चा पैदा करने की नीति और परिवार नियोजन आदि उपायों से ही जनसंख्या वृद्धि को रोका जा सकता है। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा एकल और दो बेटियों वाले सरकारी कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप विशेष आर्थिक राशि प्रदान की जा रही है। हिमाचल प्रदेश में इंदिरा गांधी बालिका सुरक्षा योजना के तहत अब एक बेटी के बाद परिवार नियोजन अपनाने वाले परिवार को दो लाख रुपए मिलेंगे। वहीं दो बेटियों के बाद परिवार नियोजन अपनाने पर अब एक लाख रुपए मिलेंगे। इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस का थीम है, भविष्य की पीढ़ियों को सशक्त बनाना : सतत विकास और जनसंख्या रुझान। जनसंख्या दिवस हमें याद दिलाता है कि समस्याओं को समझने, समाधान तैयार करने और प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए डेटा संग्रह में निवेश करना महत्वपूर्ण है। जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर पिछले कई दशकों से बहस चल रही है। 1970 के दशक से हम सभी हम दो हमारे दो का नारा सुनते आए हैं। हालांकि कभी भी किसी सरकार ने जनसंख्या नियंत्रण के कानून को लागू करने की हिम्मत नहीं दिखाई। जनसंख्या नियंत्रण पर कानून बनाने या इसका जब भी जिक्र होता है, तब हिंदू-मुस्लिम बहस छिड़ जाती है। कुछ मुस्लिम नेताओं का कहना है कि जनसंख्या नियंत्रण कानून मुस्लिम विरोधी है। लेकिन यह समय की मांग है कि भारत में बढ़ती आबादी से उत्पन्न हो रही चुनौतियों से निपटने के लिए केंद्र सरकार को जनसंख्या नियंत्रण कानून को अनिवार्य रूप से शीघ्र सिरे चढ़ाना होगा।

विकृतियां

चिंतन-मनन

विकृतियां दिखती भर ऊपर हैं पर उनकी जड़ अंतराल की कुसंस्कारिता के साथ जुड़ी रहती है। यदि उस क्षेत्र को सुधारा, संभाला,उभारा जा सके, तो समझना चाहिए कि चिन्तन, चरित्र और व्यवहार बदला और साथ ही उच्चस्तरीय परिवर्तन भी सुनिश्चित हो गया। भगवान असंख्य सद्धियों का भंडारागार है। उसमें संकटों के निवारण और अवांछनीयताओं के निराकरण की भी समग्र शक्ति है। वह मनुष्य के साथ संबंध घनिष्ठ करने के लिए भी उसी प्रकार लालायित रहता है जैसे माता अपने बालक को गोद में उठाने, छाती से लगाने के लिए लालायित रहती है। मनुष्य ही है जो वासना, तृष्णा के खिलौने से खेलता भर रहता है और उस दुलार की ओर से मुंह मोड़े रहता है,जिसे पाकर वह सच्चे अर्थों में कृतकृत्य हो सकता था। उसे समीप तक बुलाने और उसका अतिरिक्त उत्तराधिकार पाने के लिए यह आवश्यक है कि उसके बैठने के लिए साफ-सुथरा स्थान पहले से ही निर्धारित कर लिया जाए। यह स्थान अपना अन्तःकरण ही हो सकता है। अन्तःकरण की श्रद्धा और दिव्य चेतना के संयोग की उपलब्धि, दिव्य संवेदना कहलाती है, जो नये सिरे से नये उल्लास के साथ उभरती है। यही उसकी यथार्थता वाली पहचान है, अथवा मान्यता तो प्रतिमाओं में भी आरोपित की जा सकती है। तस्वीर देखकर भी प्रियजन का स्मरण किया जा सकता है पर वास्तविक मिलन इतना उल्लास भरा होता है कि उसकी अनुभूति अमृत निर्झरिणी उभरने जैसी होती है। इसका अवगाहन करते ही मनुष्य कायाकल्प जैसी देवोपम स्थिति में जा पहुंचता है। उसे हर किसी में अपना आपा हिलोरें लेता दिख पड़ता है और समग्र लोक चेतना अपने भीतर घनीभूत हो जाती है। ऐसी स्थिति में परमार्थ ही सच्चा स्वार्थ बन जाता है। दूसरों की सुविधा अपनी प्रसन्नता प्रतीत होती है और अपनी प्रसन्नता का केंद्र दूसरों की सेवा-सहायता में घनीभूत हो जाता है। ऐसा व्यक्ति अपने चिन्तन और क्रियाकलाप को लोक- कल्याण में सत्प्रवृत्ति संवर्धन में ही नियोजित कर सकता है। व्यक्ति के ऊपर भगवत सत्ता उतरे तो उसे मनुष्य में देवत्व के उदय के रूप में देखा जा सकता है। यदि यह अवतरण व्यापक हो तो धरती पर स्वर्ग के अवतरण की परिस्थितियां ही सर्वत्र बिखरी दृष्टिगोचर होंगी॥

आपके पत्र

जल्द पारित हो जनसंख्या नियंत्रण कानून

विश्व जनसंख्या दिवस जनसंख्या मुद्दों के महत्व पर ध्यान केंद्रित करने और लोगों को अधिक जनसंख्या के प्रभाव के बारे में शिक्षित करने के लिए मनाया जाता है। अधिक जनसंख्या पर्यावरण क्षरण, सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों और संसाधनों पर दबाव जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है। भारत में अत्यधिक जनसंख्या एक गंभीर चिंता का विषय है।

बढ़ती जनसंख्या मानव जीवन के लिए आवश्यक प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट करती है, जिससे गरीबी-बेरोजगारी बढ़ती है, सामाजिक तथा आर्थिक विकास में कमी के साथ जलवायु परिवर्तन पर भी असर पड़ता है। इसलिए समय रहते इस पर नियंत्रण जरूरी है। केंद्र सरकार को जल्द ही जनसंख्या नियंत्रण कानून पारित करवाकर इसे गंभीरता से लागू करवाना चाहिए।

केसी राय,रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज ब्रीफ

दोनों घायल अपनी शिकायत को लेकर मुफस्सिल थाना पुलिस के पास पहुंचा

साहिबगंज:मुफस्सिल थाना क्षेत्र के छोटी कोदरजन्ना निवासी मो. नियाज अहमद खान एवं मो मुसाहिद आलम को बगल के रहने वाले दस्तगीर आलम सहित अन्य ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। दोनों घायल अपनी शिकायत को लेकर मुफस्सिल थाना पुलिस के पास पहुंचा ।जहां मुफस्सिल पुलिस ने दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मुसाहिद ने बताया की मैं अपने दुकान मे था मेरी पत्नी ने दस्तगीर से कहने लगी पानी का निकासी क्यूं बंद कर दिया जबकि ये पानी मेरे जमीन से सालों साल से जा रही है इतना कहना था की दस्तगीर उसकी पत्नी व अन्य ने मेरी पत्नी के साथ लाठी डंडा से मारपीट करना शुरू कर दिया। जब मुझे पता चला तो घर जाने के बाद मुझे भी मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया । किसी तरह जान बचाकर मुफस्सिल थाना पहुंचा।वही मुफस्सिल थाना प्रभारी मदन कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

गंगा मे नहाने के दौरान अनुष्का का पैर फिसल गया और गहरे पानी में चली कोई अता पता नहीं

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र के घाट रोड स्थित सेंट जेवियर स्कूल के सामने की गली में गंगा घाट में नहाने गई वायसी स्थान के निकट निवासी ओम प्रकाश यादव की नाबालिक पुत्री अनुष्का कुमारी उर्फ सोनी गंगा में डूब गई। सूचना मिलते हैं। नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थानीय गोताखोरों की मदद से नाबालिक की खोजबीन में लग गई। ग्राम वासियों ने बताया कि अनुष्का के पिता ओम प्रकाश यादव जैप नौ के सिपाही गिरिडीह कंपनी में कार्यरत हैं। अनुष्का अपनी मां के साथ जितियां पर्व को लेकर गंगा स्नान करने गई थी। नहाने के दौरान अनुष्का का पैर फिसल गया और गहरे पानी में चली गई। चीख पुकार के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुड़ गई और इसकी सूचना नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता को दिया गया। नगर थाना प्रभारी अपने डलवाल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी लेते हुए स्थानिया गोटाखोरों की मदद से अनुष्का की खोज बिन शुरू करवाया।

अबुआ आवास के लिए लोगों का करें रजिस्ट्रेशन : बीडीओ

नारायणपुर: प्रखंड विकास कार्यालय में गुरुवार को बीडीओ मुरली यादव की अध्यक्षता में अबुआ आवास योजना को लेकर समीक्षा बैठक हुई। बीडीओ ने कहा कि विभाग की ओर से प्रखंड को अबुआ आवास का कुल 5591 लक्ष्य मिला है, जिनमें अभी तक महज 2858 का ही रजिस्ट्रेशन हुआ है। यह कार्य की शिथिलता को को दशार्ता है। गुरुवार तक शत प्रतिशत रजिस्ट्रेशन कर लेना है, जब तक समय पर रजिस्ट्रेशन नहीं होगा तो लाभुकों के बैंक खाते में राशि कैसे हस्तांतरित होगी। योजना कैसे शुरू होगा। वैसे पंचायत सचिव जो कल तक रजिस्ट्रेशन करने में पीछे रहेंगे उनके विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी। मौके पर प्रखंड समन्वयक तापस लायक, उदय ओझा, बीपीआरओ राजेंद्र प्रसाद सिंह, प्रशांत दुबे, नरेश सोरेन, पूजा मांझी, पम्पा मांझी आदि मौजूद थीं।

ओबीसी मंच की बैठक में दिया बूथ जीतो चुनाव जीतो का नारा

पलामू : ओबीसी एकता अधिकार मंच के विश्रामपुर स्थित कार्यालय में बुधवार को नावा बाजार, पांडू व बिश्रामपुर प्रखंड की बूथ स्तरीय कमेटी के संग ओबीसी एकता अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद (बीडी प्रसाद) ने बैठक की। बैठक को संबोधित करते हुए प्रसाद ने कहा कि अपने-अपने बूथ के लोगों के बीच जाकर उन्हें अपने हक अधिकार की लड़ाई के लिए, ओबीसी को साथ देने के लिए तथा लोगों से अपने-अपने बूथ जीतो चुनाव जीतो का नारा को जोर देते हुए अपने-अपने बूथ को मजबूती के साथ मेरे विचारों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाए। साथ ही मुझे इस चुनाव में भारी मतों से विजयी बनाएं। बैठक में मौजूद लोगों ने यह संकल्प लिया कि आपकी इस लड़ाई को ओबीसी, एससी और एसटी परिवार के लोगों के बीच बताने का कार्य करूंगा। साथ ही अपने बूथों पर लीड कराने का काम करूंगा। इस कार्यक्रम में युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। साथ ही प्रसाद को समर्थन देते हुए ओबीसी एकता अधिकार मंच का नारा लगाया। बैठक में मुख्य रूप से सुरेन्द्र भारती, रामराज राम, अजय राम, अजय गुप्ता, लक्ष्मी प्रसाद गुप्ता, राजेंद्र कुमार, योगेन्द्र कुमार, रवि, अभिनाश कुमार साव, नारायण विस्वकर्मा व राकेश कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

सारठ मुखिया संघ ने पूर्व विधायक की अगुवाई में मंत्री इरफान से की मुलाकात

सारठ : सारठ के पूर्व विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह की अगुआई में सारठ प्रखंड मुखिया संघ ने अबुआ आवास का लाभ लेने वालों की सूची में हुई गड़बड़ी की सुधार की मांग ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी से मिलकर की है। बुधवार को मुखिया संघ के प्रतिनिधियों ने मंत्री से रांची में हुई मुलाकात के बाद बताया कि अबुआ आवास चयन को लेकर सर्वे दल ने जल्दबाजी की है, जिसके कारण विसंगति सामने आ रही है। बताया कि योग्य लाभुकों का नाम प्राथमिकता सूची में नीचे चला गया है।बेघर, कच्चा मकान वाले लाभुक प्राथमिकता सूची में जांच दल की वजह से पीछे रह गये हैं। संघ ने बताया कि विभागीय निदेर्शानुसार फिर से ग्रामसभा कर सूची समर्पित की गयी। लेकिन अबतक कोई पहल नहीं हुई है। बताया कि पूर्व में सर्वे दल की ओर से प्राथमिकता संख्या के आधार पर ही अबुआ आवास का चयन किया जा रहा है। मुखिया संघ की मांगों पर विभागीय मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने आश्वासन देते हुए कहा कि मांगों पर सरकार विचार करेगी और मामले को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ विशेष बैठक कर समस्या का निराकरण किया जायेगा। मुखिया संघ के साथ बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद, सारठ प्रखंड मुखिया संघ के मुखिया नंदकिशोर तुरी, इंद्रदेव सिंह, प्रमोद कुमार राय, महादेव सिंह, सागर मंडल, मुखिया प्रतिनिधि गौतम मंडल, चाड़ो सिंह, रंजीत भोक्ता, दिलीप भोक्ता, मो हसीब अंसारी, संजय वर्मा, डिस्को हेम्ब्रम समेत कई मुखिया प्रतिनिधि शामिल थे। ० मुखिया संघ ने बताया मंत्री ने अबुआ आवास प्राथमिकता सूची में हुई गड़बड़ी दूर करने का दिया आश्वासन ० विधायक अंबा प्रसाद व पूर्व विधायक चुन्ना सिंह ने भी समस्या से कराया अवगत

झारखंड में घूम रहे हैं कई बहुरूपिये: कल्पना सोरेन

मेट्रो रेज

लातेहार : गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने बुधवार जिला स्टेडियम के पास भारत माता भवन परिसर में मंईयां सम्मान यात्रा को संबोधित किया। कल्पना ने कहा कि आज झारखंड में कई बहुरूपिये घूम रहे हैं। ये लोग यह भ्रम फैला रहे हैं कि मंईयां सम्मान योजना दो माह ही चलेगी और चुनाव के बाद यह योजना बंद हो जायेगी। आप ऐसी भ्रामक बातों में नहीं आयें। उन्होंने कहा कि योजनायें बंद करने का काम बीजेपी का है। झामुमो योजनायें लाती है और बीजेपी योजनायें बंद करती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना लाकर झारखंड की महागठबंधन सरकार ने महिलाओं को उनका सम्मान व स्वाभिमान लौटाया है। उन्होंने कहा कि झारखंड की महिला और बेटियों को शिक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। अगर वे शिक्षित होगीं तो अपने हक और अधिकार के लिए जागरूक होंगी।

महिलाओं को उनका सम्मान लौटाया है: बेबी देवी : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा मंत्री बेबी देवी ने कहा कि सरकार ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना लाकर घर की बेटी और महिलाओं के लिए एक सहारा बनने का कार्य किया है। एक हजार की राशि मिलने से उन्हें जरूर मदद मिली है। भविष्य में इसे बढ़ाया भी जा सकता है। वहीं कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग व आपदा प्रबंधन विभाग मंत्री दीपिका पांडेय ने कहा कि झारखंड की यह सरकार समाज के हर तबके के लोगों के काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने समाज के हर घर की महिला की चिंता की है। जिन योजनाओं को केंद्र सरकार ने बंद कर दिया है, उन योजनाओं को झारखंड की सरकार ने चालू किया है।

केंद्र सरकार ने बेवजह हेमंत को जेल में बंद रखा: बैद्यनाथ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता सह उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री बैद्यनाथ राम ने कहा कि केंद्र की सरकार ने एक साजिश के तहत बिना किसी कारण के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल में पांच महीने बंद कर रखा। लेकिन हमें न्यायालय पर पूरा विश्वास था और हेमंत सोरेन बाहर निकले। बैद्यनाथ राम ने कहा कि झारखंड की सरकार ने हर दिशा में कार्य किया है। हर योजनाओं का लाभ समाज के हर तबके को मिल रहा है। मईयां सम्मान यात्रा को अपार समर्थन मिल रहा है।

वाहनों के काफिले से स्वागत किया गया : महागठबंधन के नेता और कार्यकताओं के द्वारा कल्पना सोरेन एवं अन्य मंत्रियों का रांची-मेदिनीनगर पथ में वाहनों के काफिले के साथ आगवानी की गयी। इसका नेतृत्व विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार ने किया। कार्यक्रम में मनिका विधायक रामचंद्र सिंह, झामुमो जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव, जिला 20 सूत्री उपाध्यक्ष अरूण कुमार दुबे,कांग्रेस जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव, झामुमो जिला सचिव समशुल होदा युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष आफताब आलम, मनिका विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर यादव, अंकित पांडेय, विशाल कुमार, आलोक कुमार मंटू आदि मौजूद थे। इससे पहले अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कल्पना सोरेन का स्वागत किया गया : बरवाडीह में गांडेय विधायक कल्पना सोरेन की मईयां सम्मान यात्रा के दौरान बुधवार को पलामू से लातेहार में आहुत जनसभा में जाने के दौरान दुबियाखाड़ में सोरेन के अलावा मंत्री बेबी देवी, दीपिका पांडेय सिंह और विधायक रामचंद्र सिंह ने दुबियाखाड़ में स्थापित राजा मेदिनिराय की प्रतिमा पर फूलमाला भेंटकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले महागठबंधन के नेताओं और कार्यकताओं ने अतिथियों का भव्य स्वागत किया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह उर्फ पिंटू, वरिष्ट नेता अनिल सिंह, प्रदेश प्रतिनिधि रविंद्र राम, दीपू तिवारी और अरुण सिंह खरवार समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

उधवा प्रखंड में बाढ़ राहत कार्य जारी: जिला प्रशासन की तत्परता और राहत सामग्री वितरण

साहिबगंज/बरहरवा: जिले के उधवा प्रखंड में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। जहां गंगा नदी का जलस्तर 28.41 मीटर तक पहुँच गया है।जो खतरे के निशान से ऊपर है। बाढ़ के कारण कई गाँव प्रभावित हुए हैं।और इन क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा युद्धस्तर पर राहत कार्य चलाए जा रहे हैं।प्रशासन की सक्रियता और राहत कार्य बाढ़ राहत कार्यों की अगुवाई प्रखंड विकास पदाधिकारी बीडीओ विशाल कुमार पाण्डेय द्वारा की जा रही है। जो विपरीत मौसम और लगातार हो रही बारिश के बावजूद राहत कार्यों में जुटे हुए हैं। जिला प्रशासन की ओर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के साथ-साथ राहत सामग्री का वितरण लगातार किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा संचालित बाढ़ राहत शिविरों में भोजन, चिकित्सा सेवाएं, स्वच्छ पेयजल, शौचालय और पशु चारा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।विशाल कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में उधवा प्रखंड में प्रभावित क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है, और बाढ़ पीड़ितों की सहायता सुनिश्चित की जा रही है। बारिश के बावजूद, उधवा प्रखंड में बाढ़ राहत कार्यों में कोई कमी नहीं आई है, और प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है। कि प्रभावित लोगों को सभी आवश्यक सहायता उपलब्ध हो।

पदयात्रा कर श्रवण पासवान पहुंचे रांची, सुदेश से मिले

लातेहार: आजसू पार्टी के नेता श्रवण पासवान लातेहार से रांची तक 100 किलोमीटर तक की पदयात्रा कर आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो से मुलाकात की। इस दौरान उन्होने लातेहार विधानसभा से आजसू पार्टी के टिकट के लिए दावेदारी प्रस्तुत की। उन्होने महतो को बताया कि लातेहार की जनता उन्हें आजसू से अपने प्रत्याशी के रूप मे देखना चाहती है। पासवान ने कहा कि वे क्षेत्र की हर समस्या से वाकिफ हैं और क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने का जज्बा रखते हैं। यह यात्रा लातेहार की जनता के विश्वास और उनके समर्थन का प्रतीक है। मैंने यह निर्णय जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए लिया है और मुझे पूरा विश्वास है कि पार्टी मुझे इस क्षेत्र से चुनाव लड़ने का मौका देगी। बता दें कि पासवान लातेहार से चल कर तीसरे दिन रांची पहुंचे। इस दौरान उनका कई जगहो पर आजसू नेता व कार्यकताओं के द्वारा स्वागत किया गया।

कोटालपोखर भाजपा मंडल ने मनाया पंडित दीनदयालउपाध्याय का जन्मदिवस

साहिबगंज/बरहरवा:बरहरवा प्रखण्ड के कोटालपोखर मंडल में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय का 108वा जन्मदिवस भारतीय जनता पार्टी मंडलअध्यक्ष बप्पी निर्मल प्रसाद की अध्यक्षता में मनाया गया। उक्त मौके पर पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता पूर्व जिला महामंत्री रंजीत कुमार साह उपस्थित हुए सभी कार्यकताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर फूल माला अर्पित कर जन्मदिन मनाया और एक दूसरे को मिठाई भी खिलाया ।मंडल अध्यक्ष बप्पी निर्मल प्रसाद ने अपने संबोधन में बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जन्म 25 सितम्बर 1916 को हुआ था।और इनकी हत्या 11 फरवरी 1968 को मुगलसराय स्टेशन के पास कर दी गई थी।, आज मुगलसराय स्टेशन का नाम बदल कर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन मोदी जी के कार्यकाल में रखा गया है। वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चिन्तक और कुशल संगठनकर्ता थे। वे भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष भी रह चुके थे।उन्होंने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद नामक विचारधारा दी ।वे एक समावेशित विचारधारा के समर्थक थे।जो एक मजबूत और सशक्त भारत चाहते थे।राजनीति के अतिरिक्त साहित्य में भी उनकी गहरी अभिरुचि थी।उन्होंने हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं में कई लेख भी लिखे थे । जन्मदिन के पुण्य अवसर पर मंडल मंत्री शिवरतन रजवाड़ , युवा कार्यकर्ता तपन गुप्ता , लकेश रजवाड़, निमाय , बबलू , सोनू , महादेव , जीतन , शंकर , सहदेव , पंकज , प्रमोद सहित दर्जनों कार्यकर्ता शामिल हुए।

अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के द्वारा मनाया गया विश्व फार्मासिस्ट दिवस

साहिबगंज:अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन साहिबगंज झारखंड के द्वारा कॉलेज रोड गुप्ता मार्केट के निकट विश्व फार्मासिस्ट दिवस बड़े धूमधाम के साथ जिले के सभी सम्मानित फार्मासिस्ट साथियों के साथ जिला में पहली बार मनाया गया।जिसमें जिले के फार्मासिस्ट लोग शामिल हुआ।फार्मासिस्ट एसोसिएशन को मजबूती प्रदान हो इसके लेकर संगठन के द्वारा कई निर्णय लिया गया।लोगों को सरल तरीके से स्वास्थ्य सेवाएं और बेहतर हम लोग से मिल सके चर्चा की गई, झारखंड में भी अन्य राज्यों के मुकाबले फार्मासिस्ट एक्ट 2015 लागू हो,और हम लोग को सरकार द्वारा एक सम्मान मिल सके।कार्यक्रम मे अध्यक्ष-अमित कुमार गुप्ता.उपाध्यक्ष-हाशिम परवेज,महासचिव-मोहम्मद इब्राहिम,जिला प्रभारी-विष्णु कुमार,.कोषाध्यक्ष-सुमन सौरभ,संगठन सचिव-तुफैल अहमद,संयुक्त सचिव-मोहम्मद शाहबाज अनवर,फार्मासिस्ट अंबुज कुमार सिंह एवं सदस्य-चांद सौदागर चौधरी,सिध्दिनाथ शर्मा,सर्वेश कुमार चौधरी,मोहम्मद दानिश अंकुश कुमार,सुनील कुमार गुप्ता,मोहम्मद तौहीद, देवरंजन,अनवर,मोहम्मद जीशान भरत दास,मोहम्मद इमरोज सहित अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन के सभी सदस्य गण मौजूद थे।

झामुमो कार्यकर्ता पर मारपीट, छिनतई व हसुआ से वार करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज

सारठ : पूर्व विधायक के खिलाफ नारेबाजी के बाद झामुमो कार्यकताओं की पिटाई के बाद हुई प्राथमिकी मामले में बुधवार को दूसरे पक्ष के मोहन राय ने भी परिमल सिंह समर्थक सोनू पाठक पर मारपीट, छिनतई व हसुआ से मारने का आरोप लगाया है और प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस को दिये शिकायत पत्र में कहा गया है कि 23 सितंबर की शाम चार बजे पारिवारिक समस्या के लिए मित्र सन्नी सिंह, रूपेश सिंह, विधान सिंह और राकेश राय के साथ गाड़ी संख्या जेएच-15 एजी-1001 से देवघर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते मे जोगिया टिकुर के पास होटल में चाय पीने रुके। गाड़ी से उतरे ही थे कि वहां पहले से मौजूद सोनू पाठक ओर उसके साथ दो तीन लोगों ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली गलौज की और धमकी दी। मोहन राय ने कहा कि उन्हें सोनू पाठक ने धमकी दी कि तुमलोग बहुत पैसा कमाये हो, रंगदारी के तौर पर दो लाख दो। वहीं यह कहकर फोन कर अपने लोगों को बुलाने लगा। मोहन राय ने कहा कि विरोध करने पर सोनू पाठक ने होटल में सब्जी काटने वाला हंसुआ उठा कर उसके मित्र राकेश राय को मारने के लिए दौड़ा तथा अन्य लोगो ने मुझे पकड़ते हुए जेब से 3700 सौ रुपये जबरन निकाल लिये। बताया कि सोनू पाठक के उग्र रूप को देखकर हमलोगों ने दूसरों की मदद से उसे उठाकर गाड़ी में बिठाया और सारठ पुलिस को सुपुर्द करने होटल से निकले, जिसके बाद महावीर चोक पर पूर्व विधायक उदय शंकर सिंह के सामने सारठ पुलिस को उसे सौंप दिया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि सोनू पाठक पूर्व से विभिन्न आपराधिक मामले में संलिप्त है। पुलिस को सौंपने के बावजूद रात में राकेश राय को फोन कर जान से मारने की उसने धमकी दी है। शिकायत पर सारठ पुलिस ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज करने की कार्यवाही की जा रही है।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत ससुरालवालों पर हत्या का आरोप

हजारीबाग: विष्णुगढ़ थाना अंतर्गत खरकट्टो में विवाहिता भगिया देवी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। गिरिडीह जिले के निमियाघाट थाना क्षेत्र के लक्ष्मणटुंडा निवासी मृतका की मां झलवा देवी और पिता जागेश्वर साव ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए बेटी की जान लेने का आरोप लगाया है। थाने में दी गयी तहरीर में मृतका के पति धनेश्वर साव, ससुर नारायण साव, सास मेघनी देवी, भैसुर मुरली साव, महेंद्र साव, गोतिनी मीना देवी तथा ममता देवी को हत्यारा बताया गया है। कहा है कि वर्ष 2016 में हिंदू रीति रिवाज के मुताबिक बेटी भगिया की शादी धनेश्वर साव के साथ हुई थी। क्षमता अनुसार दान दहेज भी दिया गया था, मगर शादी के कुछ महीनों बाद आरोपियों द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। पिता ने कहा कि दहेज में पांच लाख रुपये व एक जोड़ा बैल मायके से लाने की मांग की जाने लगी।

एडवेंचर के साथ प्रकृति की खूबसूरती का खजाना, कुर्ग

नई दिल्लीः पहाड़ों की सैर केवल मन को तरोताजा ही नहीं करती बल्कि इसकी वजह से शरीर को भी बहुत फायदा होता है। साफ, ताजी हवा फेफड़ों को शक्ति देती है और साथ ही लम्बी दूरियों तक पैदल चलने से पूरे शरीर का व्यायाम हो जाता है। यही कारण है कि अक्सर मन की शांति और शरीर के स्वास्थ्य के लिए डॉक्टर भी पहाड़ों पर जाने की सलाह देते हैं। दूर दूर तक फैली हरियाली, पंछियों की मधुर आवाज और मन को खुशी देती हवा के झोंके, सबकुछ मिलकर एक अद्भुत वातावरण की रचना कर डालते हैं। ऐसा ही जादुई माहौल रचते हैं भारत के दक्षिणी हिस्से में मौजूद कुर्ग और उसके आस पास के पहाड़। यहाँ आप जंगल, पहाड़, नदियों, झरनों जैसे हर प्राकृतिक नजारे का आनंद उठा सकते हैं। साथ ही प्रकृति के बीच रहकर अद्भुत वातावरण से मित्रता भी कर सकते हैं। कुर्ग के ज्यादातर इलाके सुरक्षित और सुविधायुक्त हैं, लिहाजा आप परिवार के साथ भी इन पहाड़ियों की सैर निश्चिन्त होकर कर सकते हैं। इन पहाड़ियों पर हर साल बड़ी संख्या में टूरिस्ट आते हैं।

वैसे तो कुर्ग का पूरा इलाका ही खूबसूरत है लेकिन अगर आप ट्रैकिंग और एडवेंचर दोनों पसंद करते हैं तो खासकर यहाँ की कुछ पहाड़ियां आपके लिए बढ़िया विकल्प हो सकती हैं। ये पहाड़ियां कुर्ग की यात्रा को और भी अच्छा बना सकती हैं। यहां ट्रैकिंग से लेकर बर्ड वॉचिंग, वाइल्ड लाइफ और हरे भरे जंगलों में झरनों के रूप में बहती प्रकृति के बीच बहुत आनंद से समय बिताया जा सकता है। कुर्ग की वादियों के साथ मौजूद ऐसी कुछ पहाड़ियों में शामिल हैं-

कर्नाटक क्षेत्र की सबसे ऊँची चोटी में से एक के रूप में पहचान प्राप्त इस पहाड़ी पर घने जंगल और ताजी हवा दोनों भरपूर हैं। यह करीब 5,700 फीट की ऊंचाई पर है, इसलिए ट्रैकिंग के लिए अच्छा खासा लम्बा रास्ता तय किया जा सकता है। रास्ते में जगह जगह झरने और कॉफी, काली मिर्च के पौधे भी आपका स्वागत करेंगे। ऊंचाई पर होने की वजह से यहाँ से आस पास का नजारा और भी खूबसूरत बन जाता है और यही कारण है कि यहाँ लोग फोटोग्राफी के लिए भी बड़ी संख्या में आते हैं। झरने और नदियां यहाँ आम हैं।

पुष्पगिरीः खासतौर पर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के लिए प्रसिद्ध यह पहाड़ी अपनी सुंदरता से सबका मन मोह लेती है। यहाँ कई तरह के पंछी मौजूद होते हैं, लिहाजा यह बर्ड वॉचिंग के लिए एक शानदार विकल्प है। यहाँ के कुमारा पर्वत से दिखाई देने वाला नजारा सबसे मनमोहक है। इसकी चोटी से निकलती नदी और हरे भरे जंगल हाइकिंग के शौकीनों के लिए दावत की तरह हैं। यही कारण है कि न केवल आस पास के बल्कि देश-विदेश के कई हिस्सों से लोग यहाँ ट्रैकिंग के लिए आते हैं।

ब्रह्मगिरि : नदी में अठखेली करते हाथियों के झुण्ड और खूबसूरत पक्षी इस रास्ते में आपको रूककर साथ समय बिताने पर मजबूर करेंगे। यह भी एक वाइल्ड लाइफ सेंचुरी है और अगर भाग्य ने आपका साथ दिया तो यहाँ अन्य बड़े जानवर भी आसानी से रास्ते में घूमते दिखाई दे सकते हैं। इसके अलावा घने पेड़ों से भरे जंगल और हरियाली से भरपूर मैदान तो हैं ही। रास्ते में पड़ेंगे कई छोटे छोटे झरने और इस स्थान का खास आकर्षण थिरुनेलाई मंदिर और इरुप्पु फॉल्स भी। साथ में स्थित पक्षिपातालम में मौजूद गुफाएं रहस्य और इतिहास दोनों की आकर्षक तस्वीर आपके सामने प्रस्तुत करेंगी।

जाने का समय और खर्च : कुर्ग की यात्रा अक्टूबर से अप्रैल तक की जा सकती है। चूँकि यह जगह हरियाली, पानी, पहाड़ और जंगलों से भरपूर है इसलिए गर्मी की छुट्टियों का यहाँ खास आनंद उठाया जा सकता है। ज्यादातर जगह आपको रुकने के लिए अच्छे कॉटेज और होटल्स मिल जायेंगे जो बजट से लेकर लक्जरी अकोमोडेशन तक मुहैया करवाते हैं। इनके लिए 2,500-7,000 तक का टैरिफ चुकाना होता है। यदि ट्रैकिंग के लिए जा रहे हैं तो हर पहाड़ी के बेस में कैम्प के साथ बाकी जरूरी सुविधाएँ भी मौजूद होती हैं, जिनके लिए सुविधाओं के लिए हिसाब से दाम चुकाना पड़ते हैं। यह 4 हजार से 6 हजार प्रति व्यक्ति तक हो सकता है। टेंट से लेकर ट्रैकिंग के अन्य सामान और खाने-पीने की व्यवस्था भी इसके अंतर्गत आ सकती है। अधिकांशतः आपको सिर्फ एक बैग और स्लीपिंग बैग लेकर चलने को कहा जाता है। इसके अलावा वाइल्ड लाइफ सेंचुरी के लिए एंट्री फीस भी सभी जगह अलग होती है। पहाड़ियों की चोटी तक पहुंचकर वापस नीचे आने का सफर आप चाहें तो एक दिन में भी पूरा कर सकते हैं और चाहें तो ऊपर रुकने का विकल्प भी चुन सकते हैं।

कुर्ग में सड़क मार्ग है सुविधाजनक

कैसे पहुंचें : कर्नाटक के इस हिस्से तक पहुंचने के लिए पहले बैंगलोर (करीब 250 किलोमीटर) , मैसूर (लगभग 120 किलोमीटर) या मैंगलोर (करीब 140 किलोमीटर) तक पहुंचना जरूरी है। यहाँ से आप कर्नाटक राज्य शासन द्वारा चलने वाली बसें, प्राइवेट बस या टैक्सी या अन्य वाहन द्वारा कुर्ग पहुंच सकते हैं। इसमें करीब 4-5 घंटे का समय लग सकता है। कुर्ग पहुंचने के बाद हर पहाड़ी के लिए ट्रैकिंग का पहुंच मार्ग अलग अलग होगा जिसके लिए आपको वाहन तय करना होगा।

वजन घटाने के लिए खाएं रोटी, बाजरा और मक्का दोनों आटा है फायदेमंद

नई दिल्लीः लोग वजन घटाने के लिए कई तरीके अपनाते हैं। कई लोग तो खाना-पीना ही छोड़ देते हैं लेकिन खाना न खाने से वजन कम नहीं होता है। आहार एवं पोषण विशेषज्ञों के मुताबिक, भारतीय खाने में ही कई ऐसे व्यंजन हैं, जो वजन कम करने में सहायक होते हैं। अतिरिक्त वसा को कम करने के लिए हमें अपनी डाइट में ऐसी खाद्य सामग्रियों को शामिल करना चाहिए। आपके ही किचन में कम कार्ब के कई विकल्प मिल जाएंगे, जिनका सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए भी लाभप्रद है और वजन कम करने में भी सहायक है। भारत में ज्वार, मक्का और बाजना जैसे अनाज का अच्छा उत्पादन होता है। खाने में विकल्प के तौर पर इसे आप रोजाना खाने में कहीं न कहीं इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आपको पता हैं कि इन्हीं अनाज के सेवन से वजन भी घटाया जा सकता है। यहां हम दो अधिक इस्तेमाल होने वाले अनाज मक्का और बाजरे में पाए जाने वाले पोषक तत्वों, सेवन से होने वाले फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं। दोनों ही वजन कम करने में कारगर हैं।

बाजरा प्रोटीन, फाइबर और सेहत के लिए फायदेमंद खनिजों से भरपूर है। अनाज में बाजरा स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर विकल्प है। बाजरे में फाइबर की अधिक मात्रा होने के कारण ये पेट को लंबे समय कर भरा हुआ महसूस कराता है। जिससे लोग अधिक खाने से बच जाते हैं और वजन को कंट्रोल में रखता है। इसलिए वजन कम करने के लिए आप बाजरे की रोटी को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आपको पाचन की समस्या है तो भी बाजरे का सेवन फायदेमंद है। बाजरा में मैग्नीशियम, पोटेशियम पाया जाता है, जो शरीर के साथ ही हृदय को भी सेहतमंद रखने में मदद करता है।

मक्का खाने के फायदेः मक्के का सेवन लोग आमतौर पर सर्दियों में अधिक करते हैं। ये गेंहूं के आटे के विकल्प के तौर पर अच्छी खाद्य सामग्री है। मक्का में आयरन, फास्फोरस, जिंक और कई विटामिनों की भरपूर मात्रा मिल जाती है। इसका सेवन केवल वजन कम करने में ही नहीं बल्कि आंखों की रोशनी के लिए भी अच्छा है। इसके अलावा कैंसर और एनीमिया की रोकथाम में भी मक्का मददगार होता है। मक्के में मौजूद काबोर्हाइड्रेट के कारण एनर्जी लेवल बना रहता है और भूख कम लगती है और वजन कंट्रोल होता है। मक्के के आटे के सेवन से शरीर को पर्याप्त मात्रा में फाइबर भी मिलता है, जिससे शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सामान्य बना रहता है और कब्ज की समस्या से भी छुटकारा मिलता है।

मक्का और बाजरा में से कौन सा आटा ज्यादा फायदेमंदः वैसे तो बाजरा और मक्का दोनों ही सेहत के लिए फायदेमंद हैं और वजन कम करने में सहायक हैं लेकिन अगर तुलना की जाए कि बाजरा और मक्का में से कौन सा अनाज तेजी से वजन कम करने में कारगर है तो भले ही दोनों ही ग्लूटेन मुक्त हैं लेकिन अपेक्षाकृत कम कैलोरी के कारण बाजरे का चयन करना बेहतर विकल्प होगा। लेकिन बाजरे का अधिक सेवन पथरी के मरीजों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। बाजरे में मौजूद फाइटिक एसिड भी आंत में भोजन के अवशोषण में समस्या पैदा कर सकता है।

मक्के के सेवन से नुकसानः वहीं जिन लोगों में ब्लड क्लोट्स और थ्रोम्बोसिस की समस्या होती है, उन्हें मक्के के सेवन से बचना चाहिए, क्योंकि उनके लिए मक्के को पचाना मुश्किल होता है। उन्हें गैस, डायरिया और पाचन संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं।

बोरिंग सी दिखने वाली तोरई में हैं अनेकों फायदे, गर्मियों में जरूर करें इसका सेवन

नई दिल्लीः गर्मी के मौसम में मिलने वाला एक और लोकप्रिय फूड आइटम जिसे तोरी या तोरई के नाम से जाना जाता है बहुत से लोगों को नापसंद होता है। ये सब्जी एशिया, अफ्रीका और कैरिबियन में आमतौर पर पाई जाने वाली सब्जी है। तोरई लौकी के परिवार का ही सदस्य है, जो ककड़ी और कद्दू से संबंधित है। इस सब्जी का नाम तोरई उसकी लंबाई के साथ चलने वाली लकीरों से मिला है।

यह आमतौर पर लंबी और संकरी होती है, जिसकी ऊपरी सतह हरे रंग की होती है। ये सख्त और रेशेदार होती है। वहीं सब्जी के अंदर का भाग सफेद और काफी नरम होता है, जिसमें छोटे बीज होते हैं।

तोरई एक कम कैलोरी वाली सब्जी है, जो फाइबर, विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है। इसके अलावा इसमें आयरन, मैग्नीशियम और पोटेशियम का भी बढ़िया स्त्रोत पाया जाता है। कहा जाता है कि शरीर पर इसका ठंडा प्रभाव पड़ता है। तो चलिए जानते हैं कि तोरई का सेहत पर क्या-क्या स्वास्थ्य लाभ है, जिसकी वजह से आपको इसे अपने डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

वजन घटाने में मदद करे

तोरई एक कम कैलोरी वाली सब्जी है, जो एक्स्ट्रा किलो को कम करने में मदद कर सकती है। इसमें फाइबर की मात्रा उच्च होती है, जो लंबे समय तक

पेट को भरा हुआ महसूस करवाती है और अधिक खाने से रोक सकती है।

पाचन में सुधार करे

तोरई में मौजूद हाई फाइबर मल त्याग को विनियमित करने में मदद कर सकते है। इसमें एंजाइम भी होते हैं, जो पाचन में सहायता करते हैं और स्वस्थ आंत को बढ़ावा देते हैं।

ब्लड शुगर को नियंत्रित करे

तोरई घुलनशील फाइबर का एक अच्छा स्त्रोत है, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने और अचानक स्पाइक्स और क्रैश को रोकने में मदद कर सकता है। यह एंटीऑक्सिडेंट में भी समृद्ध है, जो ऑक्सीडेटिव तनाव और सूजन को कम करने में मदद कर सकता है, जो इंसुलिन प्रतिरोध में योगदान कर सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाए

तोरई विटामिन सी का भी एक अच्छा स्त्रोत है, जो एक स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए एक आवश्यक पोषक तत्व है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं, जो इंफेक्शन और अन्य बीमारियों को दूर रखने में भी मदद कर सकते हैं।

हार्ट हेल्थ में सुधार करे

तोरई में कोलेस्ट्रॉल और सैचुरेटेड फैट कम होता है, जो इसे दिल के स्वास्थ्य के लिए एक बढ़िया फूड बनाता है। यह पोटेशियम से भी समृद्ध है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने और हृदय रोग के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है।

हेल्दी स्किन और बाल को बढ़ावा दे

तोरई विटामिन ए और सी से भरपूर होती है, जो स्वस्थ त्वचा और बालों के लिए आवश्यक हैं। इसमें एंटीऑक्सिडेंट भी होते हैं, जो मुक्त कणों से होने वाले नुकसान को रोकने में मदद कर सकते हैं। फ्री रैडिकल्स समय से पहले व्यक्ति को बूढ़ा दिखाने लगते हैं और बालों की अन्य समस्याओं का भी कारण बन सकते हैं।

कब्ज दूर करे

तोरई के गूदे में उच्च मात्रा में सेल्युलोज होता है, जो एक नेचुरल फाइबर है। नतीजतन, दाल में तुरई खाने या फिर बस एक गिलास तोरई का रस शहद के साथ पीने से, कब्ज से तेजी से राहत मिल सकती है।

डिहाइड्रेशन से बचाए

तोरई में पोटैशियम, सोडियम, जिंक, कॉपर और सेलेनियम जैसे खनिजों का खजाना है। ये सभी मिलकर शरीर में एसिडिटी को होने से रोकने में सहायता करते हैं। साथ ही डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए इलेक्ट्रोलाइट को बढ़ावा देते हैं और शरीर में खोए हुए तरल पदार्थ और पोषक तत्वों की आपूर्ति करते हैं।

कहीं आपका बच्चा तनाव में तो नहीं? ऐसे लगाएं पता

नई दिल्लरः मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं। बच्चे तनावग्रस्त रहते हैं और माता- पिता के सामने इस बात को जाहिर नहीं कर पाते।बाल मन बहुत आसानी से अपनी आसपास की गतिविधियों से प्रभावित हो जाता है। बच्चों पर परिवार, आसपास के लोगों, स्कूल में सहपाठियों, फिल्मों और सोशल मीडिया का गहरा प्रभाव पड़ता है। बच्चे के विचार विकसित होने में समाज एक अहम भूमिका में होता है। वहीं माता पिता बच्चों की जरूरते पूरी करने व उनकी शिक्षा पर तो ध्यान देते हैं लेकिन अक्सर बच्चे की गतिविधियों को नजरअंदाज कर देते हैं। इससे उन्हें पता ही नहीं चलता कि बच्चे को किसी तरह की कोई समस्या है। कोविड काल में बच्चों की मनोस्थिति पर असर देखा गया। पिछले सालों में कई मामले सामने आए, जिसमें बच्चे छोटी छोटी बातों पर दूसरों या खुद को चोट पहुंचाने लगते हैं। लखनऊ में पब्जी को लेकर एक बच्चे ने अपनी ही मां की हत्या कर दी और शव घर में छुपाए रखा। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए यूनिसेफ कई कार्यक्रम चला रहा है। आपको भी बच्चे के भविष्य और सेहत की चिंता है तो ये जानने का प्रयास करें कि क्या आपका बच्चा किसी तनाव में है। बच्चे के बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के लिए अभिभावकों को इन बातों पर ध्यान देना चाहिए। बच्चे को भावना व्यक्त करने के लिए प्रेरित करें : अभिभावकों को पता होना चाहिए कि उनके बच्चे की मनोदशा कैसी है। वह क्या सोचता है, उनके विचार या उनकी भावना का समझने के लिए जरूरी है कि बच्चा माता पिता से अपनी बातों को अभिव्यक्त करना जानता हो। अचानक से आप उनके किसी बर्ताव विशेष के बारे में पूछेंगे तो बच्चा आपसे सच बोलने में झिझकेगा। इसलिए प्रतिदिन उसे कुछ वक्त दें। बच्चा के दिन कैसा गया, दिनभर क्या किया, आदि सवाल उनसे पूछें। इससे वह अपनी बात व्यक्त करना सीखेंगे।

गतिविधि पर नजर रखेंः बच्चा किस तरह के कामों में रूचि रखता है, उसकी पसंद और नापसंद का ध्यान रखें। वहीं अगर बच्चे की गतिविधियों में बदलाव या उनके व्यवहार में कुछ अलग महसूस करें तो बच्चे से इस बारे में बात करें। यह जानने का प्रयास करें कि उनके बर्ताव में बदलाव की क्या वजह है। अक्सर जब बच्चे किसी परेशानी या दबाव में होते हैं, तो उन कामों में रूचि नहीं लेते, जो उन्हें पसंद होती है। वहीं चिढ़चिढ़ापन, गुस्सा होना, गुमसुम हो जाना आदि लक्षण नजर आने लगते हैं।

बच्चे को समय दें : बच्चे के व्यवहार पर या उनके कोई दिक्कत है, इस पर आप तब ध्यान दे पाएंगे जब आप उन्हें प्रतिदिन अपना कुछ वक्त देंगे। अधिकतर माता पिता दिनभर के कामकाज में व्यस्तता के चलते पर बच्चे के उतना ध्यान नहीं देते।

जितना उन्हें देना चाहिए। बच्चा अक्सर माता पिता की तवज्जो पाने के लिए भी ऐसे कार्य कर देता है, जो गलत होते हैं।

अपनी भावना व्यक्त करें: महज बच्चे से सवाल-जवाब करने से उनकी मनोस्थिति को समझना आसान नहीं। हो सकता कि बच्चा किसी बात को लेकर डरा हो, उसने कोई गलती कर दी हो, और आपसे कहने में वह झिझक रहा हो। अभिभावक को चाहिए कि वह बच्चे को भरोसा दिलाएं कि वह उनके साथ हैं। आप क्या महसूस करते हैं, ये उन्हें बताएं और उन्हें भी प्रेरित करें।

न्यूज ब्रीफ

दुर्गा और शिव मंदिर में उपद्रवियों ने लगाई आग, तोड़फोड़ भी की

नई दिल्ली: मणिपुर के सेनापति बाजार में एक दुर्गा मंदिर में उपद्रवियों ने तड़के आग लगा दी. मंदिर परिसर में आग के फैलने से पहले स्थानीय लोगों ने इसे काबू में कर लिया. स्थानीय लोगों ने बताया कि उपद्रवियों ने आग लगाने और वहां से भागने के बाद दान पेटी भी चुरा ली. स्थानीय लोगों ने दावा किया कि ये किसी अपराधिक गिरोह का काम नहीं है. उन्होंने एक जातीय संगठन पर वारदात को अंजाम देने का आरोप लगाया है। मणिपुर के सेनापति जिले में भगवान शिव के एक मंदिर को आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया गया. तड़के सुबह हुई ये घटना मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया. सीसीटीवी फुटेज में उपद्रवियों को मंदिर के कैंपस के अंदर एक दरवाजे की ओर जलती हुई लकड़ियों को फेंकते हुए देखा जा सकता है। मणिपुर में मंदिर पर ये दूसरा हमला था. स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मंदिर को कुछ सप्ताह पहले भी निशाना बनाया गया था. पहली घटना में, फुटेज में एक नकाबपोश व्यक्ति को घटनास्थल से भागने से पहले एक खंभे के पीछे छिपते हुए दिखाया गया था. सौभाग्य से, निवासियों और मंदिर के रखवालों ने आग को फैलने से पहले ही बुझा दिया था। नगा पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (एनपीओ) और करोंग-सेनापति टाउन कमेटी (केएसटीसी) ने एक संयुक्त बयान जारी कर श्री श्री पशुपति नाथ मंदिर पर हमले की निंदा की. संगठनों ने सेनापति को एक शांतिपूर्ण शहर बताया जहां विभिन्न समुदाय सद्भावनापूर्वक अपने धर्मों का पालन करते हैं और सामाजिक शांति को भंग करने के प्रयास की निंदा की।

सुप्रीम कोर्ट से पूर्व तमिलनाडु मंत्री वी. सेंथिल बालाजी को बड़ी राहत, धन शोधन मामले में मिली जमानत

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व तमिलनाडु मंत्री को धन शोधन के मामले में जमानत दे दी है। यह मामला सेंथिल बालाजी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज किया गया था। अदालत के इस फैसले से उन्हें काफी राहत मिली है, क्योंकि वह पिछले कुछ समय से न्यायिक हिरासत में थे। जमानत मिलने के बाद अब वह अपनी रिहाई के लिए प्रक्रिया का पालन करेंगे।

सेंथिल बालाजी को 14 जून, 2023 को चेन्नई में उनके निवास से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ढटछअ एक्ट के तहत गिरफ्तार किया था। यह मामला तब दर्ज किया गया था जब उन पर आरोप लगा था कि उन्होंने अपने कार्यकाल में परिवहन मंत्री के रूप में नौकरी के बदले में पैसे लिए थे, जो कि एआईएडीएमके सरकार के दौरान हुआ था। डीएमके नेता की जमानत याचिका पर निर्णय सुनाते हुए न्यायमूर्ति अभय ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि सख्त जमानत प्रावधान और मुकदमे में देरी साथ नहीं चल सकते, जैसा कि लाइव लॉ द्वारा रिपोर्ट किया गया है। अदालत ने यह भी माना कि मामले में जमानत देने का यह समय है।

चेन्नई की एक सत्र अदालत ने पिछले तीन मौकों पर उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। पिछले साल अक्टूबर में उच्च न्यायालय ने उनकी मेडिकल जमानत याचिका भी खारिज कर दी थी, जिसे शीर्ष अदालत ने बरकरार रखा था।

अमेरिका में 10 दिन के भीतर हिंदू मंदिर को दोबारा बनाया निशाना : स्वामीनारायण मंदिर में तोड़फोड़, दीवारों पर लिखे हिंदू विरोधी संदेश

नई दिल्ली । अमेरिका में पिछले कुछ दिनों में कई हिंदू मंदिरों पर हमला देखा गया है। न्यूयॉर्क की घटना को अभी 10 दिन भी नहीं बीते थे। बीती रात अब कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो में स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में तोड़फोड़ की गई है। मंदिर के बाहर लगे बोर्ड पर हिंदू विरोधी टिप्पणी लिखी गई हैं।

कट्टरपंथियों ने मंदिर की दीवारों पर 'हिंदू वापस जाओ' के नारे लिखे हैं। इस घटना से हिंदुओं में डर पैदा हो गया है। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने इस भी इस घटना की निंदा की है।

बीएपीएस ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, "न्यूयॉर्क में बीएपीएस मंदिर के अपमान के 10 दिन से भी कम समय में बीती रात कैलिफोर्निया के सैक्रामेंटो में हमारे मंदिर को हिंदू विरोधी घृणा के साथ अपमानित किया गया। दीवारों पर 'हिंदू वापस जाओ!' के नारे लिखे गए हैं। हमें इस बात का गहरा दुख है। हम शांति की प्रार्थना के साथ नफरत के खिलाफ एकजुट हैं।" सैक्रामेंटो काउंटी का प्रतिनिधित्व करने वाले सीनेटर अमी बेरा ने मंदिर में हुई घटना की निंदा करते हुए लोगों से असहिष्णुता के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "सैक्रामेंटो काउंटी में धार्मिक कट्टरता और नफरत के लिए कोई स्थान नहीं है। सभी को मिलकर असहिष्णुता के खिलाफ खड़ा होना चाहिए ताकि हमारे समुदाय में सभी धर्मों के लोग सुरक्षित और सम्मानित महसूस कर सकें।

जम्मू-कश्मीर में चुनावी रैली में बोले राहुल

उन्होंने जितनी नफरत फैलाई उससे दोगुना हमने मोहब्बत फैलाई

नई दिल्ली : जम्मू-कश्मीर में तीसरे चरण के चुनावी प्रचार को लेकर राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर में एक चुनावी रैली की. इस दौरान उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने जितनी नफरत फैलाई उससे दोगुना हमने मोहब्बत फैलाई है। हम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाकर रहेंगे. राहुल गांधी ने कहा कि जम्मू कश्मीर से राज्य का दर्जा इसलिए छीन लिया गया क्योंकि बीजेपी वहां उप राज्यपाल के जरिए शासन करना चाहती है. वह बाहरी लोगों के जरिए राज्य को चलाना चाहती है. जब तक लेफ्टिनेंट गवर्नर यहां हैं, तब तक बाहरी लोगों को जम्मू-कश्मीर के लोगों की कीमत पर लाभ मिलता रहेगा।

बीजेपी पर जुबानी हमला बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने सोचा था कि पहले राज्या का दर्जा बहाल किया जाएगा लेकिन ये तो पहले चुनाव कराने लगें. ये जहां भी जाते हैं भाई को भाई से लड़ा देते हैं. एक धर्म के लोगों को दूसरे धर्म के लोगों से लड़ा देते हैं. एक जाती के लोगों को दूसरे जाती के लोगों से लड़ा देते हैं।

राहुल गांधी ने कहा, इनकी नफरत और हिंसा की विचारधारा है. इसे इन्होंने पूरे देश में फैला रखा है। अगर ये नफरत फैला सकते हैं तो हम मोहब्बत फैला सकते हैं. उन्होंने जितनी नफरत फैलाई है उससे दोगुनी हमने मोहब्बत फैलाई है। राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर में बोलते हुए कहा, ₹अगर बीजेपी किसी कारण से जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश से राज्य का दर्जा नहीं देती तो इंडिया गठबंधन के तहत अगर सरकार बनी तो हमारी यह पहली प्राथमकिता होगी कि हम जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करें।

बीजेपी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पूरी सरकार अंबानी और अडानी के लिए काम कर रही थी. दो हथियारों ऋ्रळ और नोटबंदी का इस्तेमाल सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की कीमत पर इन दो अरबपतियों के लिए रास्ता साफ करने के लिए किया गया था।

पीएम मोदी का पुणे में भारी बारिश के चलते दौरा रद्द

कई परियोजनाओं का करना था उद्घाटन

नई दिल्ली : महाराष्ट्र में भारी बारिश के कारण प्रधानमंत्री का पुणे दौरा रद्द करना पड़ा. दरअसल, महाराष्ट्र, मुंबई, पुणे, नासिक समेत जिलों में भारी बारिश के कारण शहर पानी- पानी हो गया है. इसके साथ ही मौसम विभाग ने इन प्रमुख शहरों के लिए गुरुवार को भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है. भारी बारिश के चतले ही मुंबई, पुणे, पिंपरी-चिंचवाड़ समेत कुछ जिलों में अज छुट्टी की घोषणा हुई है.

प्रधानमंत्री अपने इस दौरे के दौरान यहां पुणे मेट्रो ट्रेन के शुभारंभ के साथ ही वह 22,600 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास भी करने वाले थे. इनमें सोलापुर हवाई अड्डे का उद्घाटन और परम रूद्र सुपरकंप्यूटर्स का लोकार्पण भी शामिल हैं पीएम मोदी जिस मेट्रो ट्रेन का शुभारंभ करने वाले थे, उसकाभविष्य में इस मेट्रो लाइन को और बढ़ाने का प्लान भी तैयार किया है, जिसमें दो और लाइन को जोड़ जाएगा. इसमें से एक ढउटउ से निगडी तक और दूसरा स्वारगेट से कटराज तक शामिल है।

पत्नी बिकनी पहन सके इसलिए पति ने खरीद दिया 374 करोड़ का आइलैंड, सोशल मीडिया पर महिला हो गई ट्रोल

दुबई : दुबई के एक बिजनेसमैन की अनोखी कहानी इन दिनों चर्चा में है। अपनी पत्नी को सुरक्षित और आरामदायक महसूस कराने के लिए, इस शख्स ने एक पूरा आइलैंड खरीद लिया। यह खबर तेजी से वायरल हो रही है और लोगों के बीच काफी चर्चा का विषय बनी हुई है। 26 साल की सौदी अल नादक, जो कि एक सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर भी हैं, ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए इस बात का खुलासा किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ₹ढडश: आप बिकनी पहनना चाहती थीं, इसलिए आपके करोड़पति पति ने आपके लिए एक आइलैंड खरीद दिया।₹ सौदी के पति, जमाल अल नादक, दुबई के एक सफल बिजनेसमैन हैं।

सौदी के मुताबिक, उन्होंने और उनके पति ने लंबे समय से निवेश के रूप में एक द्वीप खरीदने की योजना बनाई थी। जमाल चाहते थे कि उनकी पत्नी समुद्र तट पर सुरक्षित महसूस कर सके, इसलिए उन्होंने यह द्वीप खरीदा। यह द्वीप खरीदने पर उन्होंने करीब 50 मिलियन डॉलर (374 करोड़ रुपए) खर्च किए। हालांकि, सुरक्षा और गोपनीयता के कारण सौदी ने द्वीप की सटीक लोकेशन साझा करने से इनकार कर दिया। सौदी, जो अपनी आलीशान जीवनशैली को इंस्टाग्राम और TikTok पर नियमित रूप से दिखाती रहती हैं, इस वीडियो के बाद ट्रोल्स के निशाने पर आ गईं। कई यूजर्स ने उनके दावों पर शक जताया और दिखावा करने के लिए उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ा। इस पर जवाब देते हुए सौदी ने कहा, मुझे नहीं समझ आता कि मुझे इतनी नफरत क्यों मिलती है। मुझे अपनी जीवनशैली सभी के साथ साझा करना पसंद है।₹ यह वीडियो एक सप्ताह से भी कम समय में 24 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है, और इसे लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा गर्म है।

यूपी में होटलों पर नाम पता लिखें जाने वाले मामले पर मायावती बोलीं

जनता का ध्यान बांटने के लिए हो रही राजनीति

लखनऊ : बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने यूपी सरकार के आदेश से होटलों व ढाबों में नाम पता लिखें जाने वाले मामले पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह सब खाद्य सुरक्षा हेतु कम व जनता का ध्यान बांटने की चुनावी राजनीति ज्यादा है। बसपा मुखिया मायावती ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, "यूपी सरकार द्वारा होटल, रेस्तरां, ढाबों आदि में मालिक, मैनेजर का नाम, पता के साथ ही सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य करने की घोषणा, कांवड़ यात्रा के दौरान की ऐसी कार्रवाई की तरह ही फिर से चर्चा में है, यह सब खाद्य सुरक्षा हेतु कम व जनता का ध्यान बांटने की चुनावी राजनीति ज्यादा है।" उन्होंने आगे लिखा कि वैसे तो खाद्य पदार्थों में मिलावट आदि को लेकर पहले से ही काफी सख्त कानून हैं, फिर भी सरकारी लापरवाही/मिलीभगत से मिलावट का बाजार हर तरफ गर्म है, क?या अब दुकानों पर लोगों के नाम जबरदस्ती लिखवा देने आदि से क्या मिलावट का काला धंधा खत्म हो जाएगा? बसपा मुखिया ने लिखा कि वैसे भी तिरुपति मंद?र में ह्लप्रसादमह्ल के लड्डू में चर्बी की मिलावट की खबरों ने देश भर में लोगों को काफी दुखी व उद्वेलित कर रखा है और जिसको लेकर राजनीति जारी है। धर्म की आड़ में राजनीति के बाद अब लोगों की आस्था से ऐसे घृणित खिलवाड़ का असली दोषी कौन? यह चि?तन जरूरी है। एक अन्य पोस्ट पर उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य के गढ़वा जिला अंतर्गत डंडई थाना में गरीब ग्रामीण की पुलिस हिरासत में कथित तौर पर हुई मौत व उसे जलाकर साक्ष्य मिटाने का मामला अति-गंभीर, दुखद व निंदनीय है, इससे लोगों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। सरकार घटना की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट और गंदी चीजों की मिलावट करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के आदेश दिए हैं। देश के विभिन्न क्षेत्रों में घटी ऐसी घटनाओं का संज्ञान लेते हुए उन्होंने एक उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेश के सभी होटलों, ढाबों और रेस्टोरेंट आदि संबंधित प्रतिष्ठानों की गहन जांच, सत्यापन आदि के भी आदेश दिए हैं, साथ ही आम जन की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए नियमों में आवश्यकतानुसार संशोधन के लि?ए भी कहा है। ढाबों और रेस्टोरेंट आदि खानपान के प्रतिष्ठानों की जांच के साथ ही इन प्रतिष्ठानों के संचालकों सहित वहां कार्यरत सभी कर्मचारियों का सत्यापन कराने का आदेश भी दिया है।

जल्द से जल्द छोड़ दें लेबनान, बढ़ते तनाव के बीच भारतीय दूतावास की एडवाइजरी

बेरूत : बेरूत स्थित भारतीय दूतावास ने एक एडवाइजरी जारी कर भारतीय नागरिकों को जल्द से जल्द लेबनान छोड़ने की सलाह दी है। वहीं उन लोगों को 'अत्यधिक सावधानी' बरतने और दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह दी गई है, जिन्हें गंभीर हालात के बीच लेबनान में ही रहना है। इसके अलावा भारतीय नागरिकों से अगली सूचना तक लेबनान की यात्रा न करने की अपील की गई है।

लेबनान पर जारी इजरायली हमले के बीच भारतीय दूतावास ने यह एडवाइजरी जारी की है। अल जजीरा की गुरुवार की एक रिपोर्ट के अनुसार, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजरायली हमलों में अब तक 620 लोग मारे जा चुके हैं।

दूतावास ने बुधवार को अपने नोटिस में कहा, ₹1 अगस्त, 2024 को जारी की गई सलाह के अनुसार और क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों और तनाव को देखते हुए, भारतीय नागरिकों को अगली सूचना तक लेबनान की यात्रा न करने की सलाह दी जाती है। दूतावास ने कहा, 'लेबनान में पहले से मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को यहां से जाने की सलाह दी जाती है। जो लोग किसी भी कारण से वहां रह जाते हैं, उन्हें अत्यधिक सावधानी बरतने, अपनी गतिविधियों को सीमित रखने और बेरूत में भारतीय दूतावास से हमारी ईमेल आईडीः या इमरजेंसी फोन नंबर +96176860128 के माध्यम से संपर्क में रहने की सलाह दी जाती है। इस बीच इजरायल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला जारी रखा है। ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने इजरायल में रॉकेट दागकर पलटवार किया है।

इजरायली रक्षा बलों ने कहा कि एयर फोर्स ने दक्षिणी लेबनान और बेका घाटी में 1,600 से अधिक टारगेट्स को निशाना बनाया है। इनमें मिसाइल लांचर, कमांड पोस्ट और नागरिक घरों के अंदर स्थित अन्य आतंकवादी बुनियादी ढांचे शामिल थे।

इजरायली टैंकों ने बॉर्डर के पास आयता अश शब और रामयेह के इलाकों में हिजबुल्लाह के अन्य ठिकानों पर हमला किया। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच दुश्मनी बढ़ने का कारण पिछले सप्ताह लेबनान में पेजर और वॉकी-टॉकी को निशाना बनाकर किए गए रहस्यमय विस्फोट हैं। इनमें कई लोग मारे गए और हजारों की संख्या में लोग घायल हो गए। हिजबुल्लाह ने इन विस्फोटों के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि इजरायल ने धमाकों की जिम्मेदारी नहीं ली।

यूज ब्रीफ

माताओं ने किया जिउतिया का व्रत

कोलेबिरा : प्रखंड क्षेत्र के कोलेबिरा,लचरागढ़, बरसलोया सहित,शहरी क्षेत्र से लेकर सभी गांवों की माताओं ने अपने-अपने बच्चों की सुख,समृद्धि ऐश्वर्य और लंबी उम्र के लिए निर्जला जीवित्पुत्रिका व्रत रखा।सभी माताए उपवास कर नदी तालाब पहुंचकर स्नान ध्यान कर पुत्र पुत्री और स्वजनों की सुख समृद्धि और दीघार्यु के लिए मंगल कामना की।लोकमान्यता के अनुसार महिलाएं अपने पुत्र के दीघार्यु जीवन और सुख शांति समृद्धि के लिए 24 घंटे का निर्जला उपवास रखकर जीवित्पुत्रिका व्रत करती हैं।भाद्र कृष्ण पक्ष के अष्टमी तिथि की शाम घर के आंगन में पंडित,पुरोहित और पाहन द्वारा स्थापित जिउतिया पेड़ की डाली की श्रद्धा भक्ति आस्था और विश्वास के साथ पूजा की जाती है।पूजा में आठ तरह के हरी सब्जी के अलावे खीरा,वस्त्र,रोली,चंदन,मौली धूप,नैवेद्य फूल अक्षत और गंड़न आदि की जरूरत पड़ती है।इस त्योहार में खीरा का विशेष महत्व होता है।जितिया व्रत की पूजा महिलाओं के लिए बेहद ही खास महत्व रखता है।क्योंकि इस दिन माताएं अपनी संतान की लंबी आयु के लिए निर्जला व्रत रख भगवान से प्रार्थना करती हैं।इसे जिउतिया या जिवित्पुत्रिका व्रत भी कहा जाता है।इस दिन माताएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं और फिर शाम में विधि विधान से पूजा करते हैं और जितिया की कथा भी सुनती हैं।जितिया व्रत की शुरूआत नहाय खाय के साथ होती है। इस दिन महिलाएं सुबह स्नान कर एक समय भोजन करती हैं।इसके बाद अगले दिन निर्जला व्रत रहती हैं।शाम में जितिया की पूजा करती हैं और कथा सुनी जाती है। इसके बाद अगले दिन सूर्योदय के बाद व्रत का पारण किया जाता है।जितिया व्रत के पारण से पहले विधि विधान से पूजा की जाती है फिर बात,मरूआ की रोटी और नोनी का साग आदि चीजें खाकर व्रत खोल लिया जाता है।

झामुमो की बैठक संपन्न

सिमडेगा : परिसदन भवन में झा मु मो जिला अध्यक्ष अनिल कंडुलना की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक किया गया। इस बैठक में जिला के केन्द्रीय समिति सदस्य गण, जिला समिति के पदाधिकारी गण, सभी वर्ग संगठन के पदाधिकारी गण, सभी प्रखण्डों के प्रखण्ड अध्यक्ष ,सचिव, पार्टी समर्थित जिला परिषद सदस्य गण, पार्टी के सक्रिय एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता गण इस बैठक में समिलित हुए।

इस बैठक में अगामी 27/09/2024 को केन्द्रीय समिति रांची के द्वारा सिमडेगा जिला को एक विशेष बैठक के लिए रांची स्थित सोहराई भवन में बुलाया गया है। इस बैठक की तैयारी हेतु विभिन्न विन्दुओं पर गहनता से विचार विमर्श किया गया। साथ ही अगामी झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 में सिमडेगा जिला के दोनों विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ने के लिए पार्टी की मजबूती के लिए विभिन्न विन्दुओं पर विचार करते हुए रणनीति तैयार की गई। बैठक के दौरान झारखण्ड मुक्ति मोर्चा और माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नीति सिद्धांतो और विचारों से प्रभावित होकर कोलेबिरा प्रखंड की जुझारू नेत्री श्रीमती आनीता सोरेंग ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की उन्हें पार्टी का पट्टा पहना कर अध्यक्ष-सचिव ने झामुमो परिवार में स्वागत किया ' इस बैठक में उपस्थित प्रखण्ड से लेकर जिला के पदाधिकारी गण सभी केन्द्रीय समिति सदस्य गण एवं उपस्थित सभी वरिष्ठ एवं सक्रिय सदस्यों द्वारा सर्व सहमति से यह निर्णय लिया गया कि जिले के दोनों विधानसभा सीटों पर मजबूती के साथ झा मु मो सिमडेगा अपना दावा ठोकेगी।

इस बैठक में उपस्थित पदाधिकारी गण झा मु मो जिला अध्यक्ष अनिल कंडुलना, झा मु मो जिला सचिव सफीक खान,झा मु मो जिला उपाध्यक्ष अनिल तिर्की, झा मु मो जिला कोषाध्यक्ष नोवस केरकेट्टा, झा मु मो जिला संगठन सचिव कल्याण मिंज, झा मु मो जिला केन्द्रीय समिति सदस्य फिरोज अली, नरायाण मांझी, विरजो कन्दुलना, पूर्व महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष फूलकुमारी समद , जिप सदस्य संता रोसालिया कंडुलना और सभी वर्ग संगठन के पदाधिकारी गण ,सभी प्रखंड के अध्यक्ष -सचिव,नगर के अध्यक्ष और सभी पदाधिकारी गण,जिला और प्रखंड के बीस सूत्री सदस्य गण और आंदोलनकारी - वरिष्ठ नेता गण उपस्थित रहें ।

कांग्रेस पार्टी की बैठक में सभी प्रखंडों के अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता हुए शामिल

मांडर। मांडर विधानसभा क्षेत्र के मुड़मा स्थित तिग्गा कम्प्लेक्स में कांग्रेस पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी पांचों प्रखंडों के अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता माननीय पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक, श्री अमरजीत भगत ने की, जो लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के प्रवेक्षक भी हैं।

इस बैठक में लोहरदगा सांसद श्री सुखदेव भगत, पूर्व विधायक जसपुर श्री विनय भगत, अल्पसंख्यक ग्रामीण जिला अध्यक्ष समीम अख्तर, मांडर प्रमुख फिलिप्स सहायक एक्का, बेड़ों के उप प्रमुख मुदस्सिर हक, और मांडर के उप प्रमुख अमानत अंसारी समेत कई प्रमुख नेता शामिल हुए। इसके अलावा, अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता जैसे जमील मलीक, इश्तियाक अंसारी, मंगा उरांव, कर्मा उरांव, तबारक खान, आबीद अंसारी, अब्दुल्ला अंसारी, दिलीप सिंह, सूजीत साही, रंथेश्वर शाही, शमीम अंसारी, सरीता एक्का, सेरोफिना मिंज, और अफसाना खातून भी बैठक में उपस्थित थे। बैठक से पूर्व, श्री अमरजीत भगत और श्री विनय भगत ने मुड़मा जतरा के शक्ति खूंटा पर माथा टेककर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर सरना धर्म गुरु बंधन तिग्गा भी मौजूद रहे, जिन्होंने धार्मिक वातावरण को सशक्त किया। बैठक में पार्टी के विभिन्न मुद्दों और आगामी रणनीतियों पर चर्चा की गई, जिससे कार्यकताओं में उत्साह और एकता का संचार हुआ। इस आयोजन ने मांडर क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी की सक्रियता और संगठनात्मक मजबूती को दर्शाया।

नयाटोला के सरना बगीचा में रवि उरांव ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

मांडर। मांडर थाना क्षेत्र के करगे नयाटोला के सरना बगीचा में 32 वर्षीय रवि उरांव ने आम के पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना बुधवार देर रात की है। सूचना मिलते ही जिला परिषद के प्रतिनिधि रबुल अंसारी और करगे के मुखिया मौके पर पहुंचे।

रबुल अंसारी ने बताया कि मृतक रवि उरांव पेशे से किसान था। उसके परिवार में पत्नी और दो छोटे बच्चे हैं, जो इस दुखद घटना के बाद रो-रो कर बेहाल हैं। रवि की अचानक आत्महत्या से परिवार और गांववाले गहरे सदमे में हैं।

अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा कमल खिलेगा : संजय सेठ

मेट्रो रेज संवाददाता

सिमडेगा: भारतीय जनता पार्टी का गांधी मैदान सिमडेगा में परिवर्त्तन सभा का आयोजन हुआ। मंचासीन अतिथियों के द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर नमन किया गया। परिवर्तन सभा के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री सह लोक सभा सांसद संजय सेठ* ने कहा कि ऐसा कोई बचा नहीं जिसको हेमंत सोरेन ने ठगा नहीं। कॉंग्रेस बेईमानी पार्टी है। जेएमएम, कॉंग्रेस ने जो वादा किया उस वादा से मुँह मोड़ लिया। सनातन धर्म के प्रति कॉंग्रेस के राहुल गांधी और उनके नेताओं द्वारा दिये गए अनर्गल बयान पर कहा कि कॉंग्रेस की क्या औकात जो सनातन धर्म को खत्म करने की बात करते है। मोदी के रहते कॉंग्रेस कभी सनातनी को खत्म नही कर पाएंगे, कॉंग्रेस पार्टी जरूर खत्म हो जाएगी। जेएमएम, कॉंग्रेस की गठबंधन सरकार ने इन पांच सालो में राज्य के युवाओं, किसानों, बेटियों और आम नागरिकों को धोखा देने का काम किया। बेरोजगारों को नौकरी देंगे, नहीं दिया तो गद्दी छोड़ देंगे, बेरोजगारी भत्ता देंगे-नहीं तो गद्दी छोड़ देंगे। हेमन्त सरकार ने वादें किये पर अपने वादों को पुरा नहीं किया। ना गद्दी छोड़ी ना राजनीतिक सन्यास लिया, ना रोजगार दिया, ना बेरोजगारी भत्ता दिया। हेमन्त सरकार ने किसानों के साथ छल किया। भाजपा की सरकार में किसानों को पांच एक-ड़ जमीन में साल का 25 हजार देने की योजना थी। हेमन्त सरकार ने अपने पहले केबिनेट के बैठक में किसान के हितकारी योजना को बन्द किया। किसान माफ नहीं करेंगे। एक रुपए में महिलाओं को 50 लाख तक का जमीन रजिस्ट्री होता था। हेमन्त सरकार ने इसे भी बन्द करा दिया। महिलाओं के साथ धोखा किया। महिलाओं पर अत्याचार, युवाओं पर लाठी चली। पहली बार ऐसा हुआ कि पुलिस और हॉमगार्ड एक दुसरे पर लाठी चला रहे है। हेमन्त सरकार की ये है कानून व्यवस्था। हेमन्त सरकार ने राज्य के हालात खराब कर दियें है। हेमन्त सरकार में पशु तस्कर हमारी गौ माता को कटने के लिए बंग्लादेश ले जाते हैं। पशु तस्कर को हेमन्त सरकार ने सेफ जॉन दे दिया कि आवो

हमारे झारखण्ड से गो माता को ले जाओ और काटो बंग्लादेश में। मित्रों हेमन्त सोरेन की जो सरकार है, वो झुठ और फरेब की सरकार है। असीम सपने दिखाते-दिखाते पांच साल गुजर गए। हर वर्ग नाराज और परेशान है। उन्होंने अह्वान करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री जो-जो वादा करते है, उसे धारातल पर उतारते है। जो-जो वादा किया एक-एक वादा पुरा किया। ऐसे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जब दुनिया भारत की ओर देख रही है, जब दुनिया भारत की विकास की ओर देख रहीं है, जब दुनिया भारत को आगे बढ़ते हुए देख रही है। जब दुनिया चन्द्रयान को चद्रमा पर उतारते हुए देख रही है। वहीं दूसरी ओर झारखण्ड के अन्दर हर कुछ तबाह है। झारखंड में परिवर्तन तय है।सिमडेगा और कोलेबिरा विधानसभा सीट में अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष समीर उरांव ने कहा कि हेमन्त सरकार राज्य की जनता को लुटने का काम किया है। बेटी-बहन के साथ दुष्कर्म, अत्याचार हो रहा है। खनिज सम्पदा को लुटा जा रहा है। बालू को भी लुट कर बेचने का काम हेमन्त सरकार में हो रहा है। जेएमएम, कॉंग्रेस की गठबंधन सरकार को उखाड़ कर फेंकना है। झारखण्ड में परिवर्तन होना तय है। *आरती कुजूर* ने कहा कि घूसखोर हेमन्त सरकार को बदलना है। जल,जंगल, जमीन खतरे में है। *पूर्व मंत्री बिमल प्रधान ने कहा कि हेमन्त सरकार को सत्ता से उखाड़ फेकना है। ऐसी भ्रष्ट और ठगबंधन सरकार को विधानसभा चुनाव में मुँहतोड़ जवाब देना है। सिमडेगा और कोलेबिरा विधानसभा में कमल खिलाना है।

मंच पर केंद्रीय मंत्री संजय सेठ, विधानसभा संरक्षक रंजन कुमार पटेल, दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल विधानसभा जॉन के प्रभारी गणेश मिश्रा, छत्तीसगढ़ के मंत्री केदार कश्यप, राष्ट्रीअनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष समीर उराँव, विनय लाल, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आरती कुजूर, पूर्व मंत्री बिमला प्रधान, जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक, ओम प्रकाश साहू, अमर नाथ बामालिया, दुर्ग विजय सिंह देव व अन्य उपस्थित थें।

कार्यक्रम का मंच संचालन जिला महामंत्री दीपक पूरी ने किया। महामंत्री मुकेश श्रीवास्तव भी उपस्थित थें। विद्या बड़ाईक की नागपुरी कला मंडली ने हेमन्त सरकार के खिलाफ कार्यक्रम की प्रस्तुति की।

बरसाती मेंढक अभी चुनावी मौसम में बहुत आएंगे : नमन बिक्सल कोंगाड़ी

मेट्रो रेज संवाददाता

ठेठईटांगर: प्रखंड अंतर्गत घुटबहार और राजाबासा पंचायत में कांग्रेस पार्टी का बूथ स्तर के कार्यकर्ता सम्मेलन का अयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोंगाड़ी उपस्थित हुए सर्वप्रथम बिधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी एवं पूरे कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों का स्वागत पुरे गर्मजोशी के साथ नाच-गान कर किया गया।

मौके पर मौजूद विधायक नमन बिक्सल कोंगाड़ी ने अपने संबोधन में कहा कि बदलते परिवेश में आज हमारे लोग की अपने समाज को दूसरों के इशारे पर कमजोर करने और आपस मे लड़ाने का कार्य कर रहे है। ऐसे लोगों से हम सभी को सचेत रहने और स्वयं के अंदर राजनीति जागरूकता उत्पन्न करने की जरूरत है। ताकि हम दूसरों की कठपुतली बने नेता और उनके पार्टियों से स्वयं और अपने समाज को पिछलग्गू बनाने से बचा सके। साथ ही उन्होंने उपस्थित लोगों को गत लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी को भारी मतों से विजयी बनाने के लिए भी धन्यवाद देते हुए कहा कि विरोधियों ने हर तरीका आजमाया और कई वोटकटवा लोगों को आर्थिक मदद कर चुनाव में खड़ा करवाया किन्तु अब जनता जागरूक हो गयी है इसे क्षेत्र की जनता ने सभी को दिखा दिया। वहीं उन्होंने यह भी कहा कि बहुत जल्द विधानसभा चुनाव भी होंगे जिसमे लोकसभा चुनाव वाले जोश की उन्हें व उनकी कांग्रेस पार्टी को पुनः आवश्यता होगी और उन्हें आशा है कि जनता पुनः उसे दोहराने और भाजपा और उसके पिछलग्गू झापा एनोस एक्का के पार्टी को विधायकी से दूर रखने का कार्य करेगी। लोगों का अब झापा और भाजपा से मोह भंग हो चुका है। लोकसभा चुनाव में भी हमारी जनता ने दोनों ही पार्टियों को सबक सिखाने का काम किया है। आगामी विधानसभा चुनाव तक पुरा कोलेबिरा विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस की जीत फिर से होगी। अपने भाईयों के विरुद्ध भड़काने का काम ये दोनों पार्टियां कर रही है। जिससे कि हम आपस में लड़े और कमजोर हो जाएं।भाजपा की ये शुरू से मंशा रही है कि इस छेत्र को संबिधान की पांचवीं अनुसूची के तहत मिले अधिकार के तहत अनुसूचित छेत्र को मिलने वाली सुविधाओं से वंचित किया जा सके। डिलिस्टिंग करने की कोशिश की जा रही है। अब इस देश की जनता अपने हक और अधिकार तथा संबिधान को बचाने के लिए इंडिया गठबंधन के साथ खड़ी हो गई है।इस देश मे अब सिर्फ मुद्दों की बात होगी।मुद्दों से भटकाने की राजनीति इस देश में अब नही चलेगी। इस तरह के बरसाती मेंढक अभी चुनावी मौसम में बहुत आएंगे।वे हमारी एकता को खंडित कर भाजपा को लाभ पहुंचाने की नीयत से हमको बरगलाने का प्रयास करेंगे।हमें वैसे समाज बिरोधी लोगों से सावधान रहना होगा।

मौके पर मौजूद जिला विधायक प्रतिनिधि रावेल लकड़ा, ठेठईटांगर प्रमुख विपिन पंकज मिंज, पंचायत अध्यक्ष सुकवान जोजो, सुनील जोजो, मीडिया प्रभारी मोहम्मद कारू, जॉनसन डांग,रोयन डांग, रॉयन समद, बीरबल बड़ाइक, मोजेश समद, जोरजीना समद, रजनी बागे, अनिमा जोजवार, जमीर अहमद, जमीर हसन,मोहम्मद वहीद, विक्टर जोजो, टिंटुश बागे, सिमोन कांडुलना, जीवन समद, मानसिद डुंगडुंग, आदि उपस्थित थे।

मधुमेह विशेषज्ञ सौम्यसेन गुप्ता के जानकारी से लोग हुए लाभान्वित

ज्योति पाठक

झारखण्ड के प्रख्यात एवं मधुमेह विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ0 सौम्यसेन गुप्ता वाराणसी में आयोजित वार्षिक राष्ट्र सम्मेलन में अपने अनुभव जानकारी और समुचित चिकित्सा के बारे में व्यापक रूप से जानकारी दिया। इस जानकारी को सबों ने काफी लाभदायक और कारगर बताया। क्लीनिकल केडियो डायबिटीक सोसाईटी ऑफ इंडिया (सीसीडीएसआई) की ओर से उ×रप्रदेश के वाराणसी में आयोजित में वार्षिक राष्ट्र सम्मेलन में चाईबासा के सुविख्यात मधुमेह विशेषज्ञ चिकित्सक विशेष रूप से आमंत्रित किये गये थे इस सम्मेलन में डॉ0 सौम्य सेन गुप्ता ने अपनी जानकारी, अनुभव और मधुमेह के बारे में व्यापक रूप से जानकारी दी और कहा कि डायबिटीज के बढ़ते प्रभाव का सीधा असर पैरों पर होता है इसलिए हमें मधुमेह रोग के बारे में व्यापक जानकारी और परहेज गंभीरतापूर्वक करनी चाहिए। इस अवसर पर सेमिनार में उपस्थित लोगों ने श्री गुप्ता से कई जानकारियां भी हासिल की जिससे मधुमेह विशेषज्ञ डॉ0 सौम्यसेन गुप्ता ने प्रशिक्षु चिकित्सकों को कई महत्वपूर्ण जानकारी और सुझाव दिया। इस सेमिनार में मधुमेह विशेषज्ञ डॉ0 सौम्य सेन गुप्ता के उपलब्धि को लोगों ने काफी सराहा और उनकी प्रशंसा भी की। राष्ट्र स्तर के इस बेहतरीन अकादमीक कार्यक्रम को वैज्ञानिक के सानिध्य में आयोजित किया गया था। डॉ0 सौम्यसेन गुप्ता ने इस संदर्भ में जानकारी देते हुए कहा कि उनके अनुभव को साझा करने के लिए इस सम्मेलन में उन्हें आमंत्रित किया गया था ऐसे कार्यक्रम से रोग के उपचार और बचाव पर भी शोध होती है और लोगों तक जानकारी भी पहुंचती है। गौरतलब हो कि डॉ0 सौम्य सेन गुप्ता भारत के अनेक राज्यों में अपनी अनुभव और रोग के उपचार की जानकारी को साझा कर चुके हैं।

विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने विकास योजनाओं का शिलान्यास किया

मेट्रो रेज संवाददाता

चान्हो। मांडर विधानसभा क्षेत्र की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने चान्हो प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। यह कार्यक्रम विधिवत तरीके से नारियल फोड़कर शुरू किया गया, जिसमें स्थानीय निवासियों और पार्टी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

विधायक ने ग्राम हुटरी में स्कूल में शौचालय निर्माण की योजना का शिलान्यास किया, जिससे बच्चों को बेहतर स्वच्छता सुविधाएं मिलेंगी। इसके साथ ही, ग्राम हुटरी मुख्य पथ से बुची गाड़ी तक पीसीसी पथ के निर्माण का भी ऐलान किया गया, जो ग्रामीण परिवहन में सुधार लाएगा। चान्हो प्रखंड के चामा क्षेत्र में खेलारी मुख्य पथ से गाड़ी बहर तक नए पीसीसी पथ का निर्माण भी प्रस्तावित है, जो सड़क संपर्क को और बेहतर करेगा। इसके अलावा, सुखवाटांड़ जाने वाले रास्ते में भरवा गिरवा नाले पर दो स्पेन के पुल का निर्माण कार्य भी शुरू किया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक ने क्षेत्र में विकास कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और ग्रामीणों के साथ मिलकर उनकी समस्याओं का समाधान करने की दिशा में प्रयास करने की बात कही। उन्होंने बताया कि वे स्थानीय प्रशासन के साथ संवाद करके समस्याओं का त्वरित निपटारा कराने के लिए प्रयासरत हैं।

महिला विधायक के रूप में, शिल्पी तिर्की ने अपने कार्यकाल के दौरान लगातार ग्रामीणों के विकास के लिए समर्पण दिखाया है। उनके कार्यों से मांडर विधानसभा क्षेत्र की जनता अत्यंत संतुष्ट है।

कार्यक्रम के दौरान, विधायक ने उपस्थित लोगों को योजनाओं के लाभ के बारे में विस्तार से बताया और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष ईश्तियाक अंसारी, विधायक प्रतिनिधि, पंचायत अध्यक्ष, और अन्य पार्टी कार्यकर्ता तथा ग्रामीण उपस्थित रहे।

नाबालिग के साथ बलात्कार का आरोपी गिरफ्तार

चान्हो। चान्हो थाना क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने सधनु महली पिता जोधन महली को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपी युवक लोहरदगा जिला के कुडू थाना क्षेत्र के सलगी चापी गांव का रहने वाला है। तथा वह वर्तमान समय मे चान्हो थाना क्षेत्र के ओपा गांव में रह रहा था। पुलिस ने बताया कि सधनु महली पर एक नाबालिग बच्ची के साथ कुकर्म करने का आरोप है। उसके खिलाफ चान्हो थाने में पोस्को एक्ट का साथ साथ कांड संख्या स०124 / 2024 भादवि की धारा 376 (2) 4/6 तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी युवक द्वारा नाबालिग को डरा धमका कर उसके साथ गलत कार्य किया। तथा किसी को बतलाने पर जान से मारने की धमकी दी।

ऐसे अधिकारी जो समस्या को जानने और सुनने के पश्चात तत्क्षण करते हैं कार्रवाई

कई माह से चाईबासा अंचल में कार्य था ठप्प अब होने लगा है कारगर रूप से सुनवाई

बिनय मिश्रा

कहते हैं अधिकारी अगर कार्य के प्रति लगनशील और सुलभतापूर्वक कार्य करने की दिशा मे गंभीर हों तो निश्चित तौर पर समस्याओं का निराकरण के साथ-साथ अधिकारी के बेहतर कार्यप्रणाली से विभाग भी गौरवान्वित होते हैं। जी हाँ! हम बात कर रहे हैं सदर चाईबासा के अंचल अधिकारी उपेन्द्र कुमार के योगदान देने के पश्चात से अंचल कार्यालय में बेहतर कार्यप्रणाली का सृजन हुआ है। सरायकेला से तबादला होकर पश्चिम सिंहभूम चाईबासा अंचल अधिकारी सदर के रूप में 31 जुलाई 2024 को पदभार ग्रहण करने वाले उपेन्द्र कुमार ने महज 2

माह के कार्यकाल में ही अपने बेहतर कार्यप्रणाली से अंचल से संबंधित कार्यों का निस्पादन बेहतर ढंग से करने में सफल रहे हैं। मंगलवार को भूमि निस्पादन दिवस के दिन महज कुछ घंटों में ही कई मामलों का निस्पादन कर अंचल अधिकारी ने यह साफ कर दिया है कि समस्या है तो उसका समाधान भी है बस जरूरत है इसे जानने, सुनने और समझने की क्योंकि जन आकांक्षा के अनुरूप कार्यों का निस्पादन होने से लोगों में अंचल के प्रति विश्वास बढ़ता है। अंचल अधिकारी का मानना है कि कार्यालय अपनी समस्या और बातों को लेकर वो लोग ही आते अहैं जिन्हें समाधान की उम्मीद होती है इसलिए अंचल का दायित्व है कि वह लोगों की समस्याओं का निवारण करे। इस प्रकार से कहा जा सकता है कि नये अंचल अधिकारी उपेन्द्र कुमार ने महज दो माह में ही अपने बेहतर कार्य से यह साफ कर दिया है कि अंचल से संबंधित समस्याओं का निस्पादन अवश्य होंगे और लोगों के किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होगी। क्योंकि लोग अंचल से काफी उम्मीद रखते हैं और उनका यह विश्वास है कि अंचल की बातों को सुनेगा समझेगा और कारगर कारवाई भी करेगा। यह विश्वास हमेशा बना रहे इसके लिए वे सदैव प्रयत्नशील रहते हैं।